



दिल्ली राजपत्र

Delhi Gazette

असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4]
No. 4]

दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 12, 2012/पौष 22, 1933
DELHI, THURSDAY, JANUARY 12, 2012/PAUSA 22, 1933

[रा.रा.रा.क्ष.दि. सं. 244
[N.C.T.D. No. 244

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

दिल्ली उच्च न्यायालय : नई दिल्ली

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 2012

सं./43 नियम/डी.एच.सी.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 235 एवं पंजाब न्यायालय अधिनियम, 1918 की धारा 47 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली न्यायिक सेवा के सदस्यों के अवकाश के विषय में एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाता है :—

दिल्ली न्यायिक सेवा (अवकाश) नियम, 2011

अध्याय-1

प्रारंभिक

- संक्षिप्त शीर्षक :—ये नियम दिल्ली न्यायिक सेवा (अवकाश) नियम, 2011 कहलाये जायेंगे ।
- प्रारंभ :—ये नियम दिल्ली उच्च न्यायालय-द्वारा अधिसूचित किये जाने की तिथि से प्रवृत्त होंगे ।
- उपयोजन का विस्तार :—ये नियम दिल्ली न्यायिक सेवा में नियुक्त किये गये अधिकारियों पर लागू होंगे ।
- परिभाषाएँ :—

जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (क) “लेखा अधिकारी” का अर्थ वह अधिकारी है, उसका शासकीय पदनाम जो भी हो, जिसके जिला में सेवा के सदस्य का कार्यालय स्थित है ।
- (ख) “प्रशासक” का अर्थ भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन दिल्ली संघ राजक्षेत्र के लिए नियुक्त किया गया प्रशासक है ।

“अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी” का अर्थ इन नियमों की प्रथम अनुसूची के स्तंभ(3) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी है जो कथित अनुसूची के स्तंभ (2) में उपलब्ध अधिकारी प्रविधि में विनिर्दिष्ट किये गए अवकाश को प्रदान करने हेतु सक्षम है।

सेवा के किसी सदस्य के सम्बन्ध में “सेवानिवृति की तिथि” अथवा ”उसकी सेवानिवृति की तिथि” का अर्थ उस मास के अंतिम दिन का अपराह्न होता है जिस में सेवा का सदस्य उस आयु को प्राप्त कर लेता है जो उसकी सेवा को प्रबंधित करने वाले नियम और शर्तों के अधीन सेवानिवृति हेतु विहित की गई है।

(५) “जिला न्यायाधीश” का अर्थ सम्बन्धित जिला का वह जिला न्यायाधीश होता है जिस के जिला में सेवा का सदस्य नियुक्त है।

(च) “कार्यकाल” का अर्थ सेवा के सदस्य के रूप में कार्य से है और उसके अंतर्गत है:-

(i) परिवीक्षाधीन की हैसियत से सेवा

(ii) उस प्रकार के अन्य कालावधि जिन्हें उच्च न्यायालय सम्पादन अथवा विशेष आदेश द्वारा कार्यकाल घोषित करे।

(छ) “फार्म” का अर्थ वह फार्म होता है जिसका संलग्न इन नियमों की द्वितीय अनुसूची में किया गया है।

(ज) “सरकार” का अर्थ है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

(झ) “उच्च न्यायालय” का अर्थ है “दिल्ली उच्च न्यायालय”

(ञ) “अवकाश” का अर्थ है एवं उसके अंतर्गत है उपार्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, परिवर्तित अवकाश, अदेय अवकाश, असाधारण अवकाश, अध्ययन अवकाश, विशेष अशक्तता अवकाश, प्रसूति अवकाश, पितृत्व अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश, शिशु देखभाल अवकाश अथवा अन्य प्राधिकृत अनुपस्थिति अवकाश।

(ट) “अवकाश वेतन” का अर्थ वह मासिक रकम है जो सेवा के सदस्य को इन नियमों के अधीन अवकाश प्रदान किये जाने पर अनुज्ञय होती है।

(ठ) “सेवा के सदस्य” का अर्थ वह व्यक्ति है जिसकी सेवा में नियुक्त दिल्ली न्यायिक सेवा नियम, 1970 के उपबंधों के अधीन हुई हो।

(ड) “मास” का अर्थ कैलेंडर मास है।

(ठ) “सेवा” का अर्थ दिल्ली न्यायिक सेवा है जिसकी स्थापना दिल्ली न्यायिक सेवा नियम, 1970 की धारा 3 के अधीन हुई।

(ण) “प्रावकाश विभाग” का अर्थ वह विभाग अथवा विभाग का अंग है, जिस में नियमित अवकाश अनुज्ञात होते हैं, जिसके दौरान विभाग में कार्यरत सरकारी कर्मचारी कार्य से अनुपस्थित होने हेतु अनुज्ञात होते हैं।

(त) “प्रावकाश मास” का अर्थ 30 दिनों की कालावधि है जो सेवा के सदस्यों के लिए किसी भी कैलेंडर वर्ष में उच्च न्यायालय द्वारा प्रावकाश मास घोषित किया गया हो।

(थ) इसमें जो शब्द एवं पद प्रयोग किये गए हैं और परिभाषित नहीं किये गए हैं लेकिन उनकी परिभाषा मूल और अनुपूरक नियम में की गई है, उन्हें उसी अर्थ में लिया जायेगा जो उन्हें मूल और अनुपूरक नियम में यथास्थिति समनुदेशित किया गया है।

अध्याय -॥

साधारण शर्तें

5. प्रावकाश विभाग:-

दिल्ली न्यायिक सेवा प्रावकाश विभाग से सम्बंधित होगी जिसमें सेवा के सदस्य किसी भी कैलेंडर वर्ष के दौरान 30 दिनों की कालावधि हेतु नियमित अवकाश के अनुज्ञात होंगे।

6. अवकाश का अधिकार:-

(1) अधिकार के तौर पर अवकाश का दावा नहीं किया जा सकता।

(2) सेवा की अन्यावश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी प्रकार का अवकाश अग्रहीत अथवा प्रतिसन्दूत किया जा सकता है परन्तु यह उस प्राधिकारी के अधिकार में नहीं होगा के देय प्रकार के एवं आवेदन दिए गए अवकाश को परिवर्तित कर सके अतिरिक्त उस दशा के जब सेवा का सदस्य उस हेतु लिखित रूप में अनुरोध करे।

7. अवकाश के दावा का विनियमन:-

सेवा के सदस्य का अवकाश का दावा, अवकाश हेतु आवेदन पत्र देने और प्रदान किये जाने वाले समय प्रवृत्त नियम के अनुसार विनियमित होता है।

8. प्रत्यय अवकाश पर पदच्युति, अपसारण अथवा त्यागपत्र का प्रभाव:-

(1) अतिरिक्त उस से जिसका प्रबंध नियम 57 और इस नियम में किया गया है, सेवा के किसी वैसे सदस्य के प्रत्यय अवकाश का दावा जो कि पदच्युत, अपसारित कर दिया जाये अथवा वह सरकारी सेवा को त्यागे, उसी दिन से समाप्त हो जाता है जब ऐसी पदच्युति, अपसारण अथवा त्याग दिया हो।

(2) जहाँ सेवा का कोई सदस्य भारत सरकार अथवा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अधीन परन्तु अपने मूल विभाग के बाहर किसी अन्य पद के लिए आवेदन देता है और अगर ऐसा आवेदन पत्र उपयुक्त प्रणाली द्वारा अग्रेषित किया जाता है और आवेदक से अपेक्षा की गई है कि वह नया पद ग्रहण करने से पहले अपने पुराने पद को त्यागे तो ऐसा त्यागपत्र उसके प्रत्यय अवकाश को समाप्त नहीं कर सकता।

(3) सेवा का एक सदस्य जो सेवा से पदच्युत अथवा अपसारित कर दिया जाता है तथा अपील अथवा पुनरीक्षण पर यथापूर्वित किया जाता है पदच्युति अथवा अपसारण से पूर्व की अपनी सेवा को अवकाश हेतु प्रस्थिति के अनुसार गिनने का हकदार होगा।

(4) सेवा का एक सदस्य जो प्रतिकर अथवा अविधिमान्य पेंशन अथवा उपदान पर सेवानिवृत्त हो चुका हो और उसे पुनः रोजगार दिया जा रहा हो और उसे पेंशन हेतु अपने भूतपूर्व सेवा को गिनने की अनुमति दी गई हो, इसका हकदार होगा कि अपनी पूर्वत सेवा को अवकाश हेतु गिनने।

9. एक प्रकार के अवकाश का दूसरे में रूपांतरण:-

(1) सेवा के किसी सदस्य के अनुरोध करने पर वह प्राधिकारी जिसने उसे अवकाश प्रदान किया हो भूतलक्षी रूप से उसे किसी भिन्न प्रकार के अवकाश में रूपांतरित कर सकता है जो अवकाश प्रदान किये जाते समय उसे देय एवं ग्राह्य हो परन्तु सेवा का सदस्य ऐसे रूपांतरण का दावा एक अधिकार के रूप में नहीं कर सकता।

परन्तु ऐसे किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा जब तक कि यह वैसे प्राधिकारी अथवा किसी अन्य प्राधिकारी जो इस निमित नामनिर्दिष्ट किया गया हो, सेवा के संपूर्ण सदस्य द्वारा अवकाश के सुसंगत दौर जिसका उपभोग उसने किया हो के अवसान के पश्चात अपने पद ग्रहण करने के बाद तीस दिनों की कालावधि में नहीं पहुँचे।

(2) एक प्रकार के अवकाश का दूसरे में रूपांतरण सेवा के सदस्य को अंतिम रूप से प्रदानित अवकाश के आधार पर अवकाश वेतन के समायोजन के अध्यर्थीन रहेगा। इसका तात्पर्य यह है कि कोई रकम अधिक्य उसे मिली हो तो वापस करा ली जायेगी अथवा कोई बकाया उसे शोध्य हो तो चुका दिया जाएगा।

टिप्पणः- चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर अथवा अन्यथः प्रदानित असामान्य अवकाश नियम 29 के उपबंधों के अध्यधीन रहते हुए भूतलक्षी रूप से अदेय अवकाश में रूपांतरित किया जा सकता है।

10. भिन्न प्रकार के अवकाश का संयोजन:-

अतिरिक्त उस से जिसका इन नियमों में अन्यथः ग्राविधान पाया जाता है, इन नियमों के अधीन किसी प्रकार का अवकाश किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित अथवा अन्य प्रकार के अवकाश की अनुवर्ती में प्रदान किया जा सकता है।

स्पष्टीकरणः- आकस्मिक अवकाश जिसे इन नियमों के अधीन अवकाश के तौर पर मान्यता प्राप्त नहीं है, इन नियमों के अधीन ग्राह्य किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित नहीं किया जाएगा। अतिरिक्त विशेष आकस्मिक अवकाश के।

तथापि यह कुछ दशाओं में संभव हो सकता है कि एक अधिकारी अपने प्रत्यय केवल आधे दिन का आकस्मिक अवकाश रखता हो और वह कथित आकस्मिक अवकाश का उपभोग अपराह्न में करे और अगले कार्य दिवस अप्रत्याशित बीमारी अथवा किसी अन्य बाध्य के कारण अपने कार्य संभालने योग्य न रहे और इस प्रकार उस दिन अवकाश लेने पर मजबूर हो जाए, किसी ऐसी परिस्थिति में वह सक्षम प्राप्तिकारी द्वारा अनुज्ञात होगा कि अपने अर्ध दिवसीय आकस्मिक अवकाश को नियमित अवकाश के साथ संयोजित कर सके यदि अगले कार्य दिवस को उसकी अनुपस्थिति बीमारी अथवा अन्य बाध्यता के कारण रही हो तथापि वह अधिकारी जो पश्चातवर्ती कार्य दिवस एवं तत्पश्चात की अपनी अनुपस्थिति के आवरण हेतु प्रत्यय एवं ग्राह्य प्रकार के अवकाश का आवेदन पत्र पहले ही दे चुके हो, वह अपराह्न हेतु अंतिम अर्ध दिवसीय आकस्मिक अवकाश के अनुज्ञात नहीं होंगे।

11. निरंतर अवकाश की अधिकतम मात्रा:-

(क) सेवा का कोई सदस्य किसी ऐसे प्रकार की छुट्टी प्रदान नहीं किया जाएगा जो निरंतर पांच वर्षों की कालावधि से अधिक हो।

(ख) जब तक कि उच्च न्यायालय दशा की विशेष परिस्तिथियों के अवलोकन में अन्यतः अवधारण करे, सेवा का एक सदस्य जो अपने कार्य से पांच वर्षों से अधिक निरंतर कालावधि के लिए अनुपस्थित रहे चाहे उसने छुट्टी ली हो या नहीं ली हो, वह अपने सेवा को त्याग देना माना जाएगा।

टिप्पणः- परन्तु सेवा के सदस्य को उपनियम(ख) के निबन्धों के अवलंब लेने से पहले, एक युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा कि वह अपनी अनुपस्थिति के कारण को स्पष्ट करे।

12. अवकाश पर रहते हुए सेवा अथवा रोजगार का प्रतिग्रहण:-

(1) सेवा का कोई सदस्य अवकाश पर रहते हुए, सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश को सम्मिलित करते हुए, कहीं भी कोई सेवा अथवा रोजगार नहीं अपना सकता अधिकता की हैसियत से अपनी निजी वृत्तिक व्यवसाय भी नहीं, पूर्व मंजूरी लिए बगैर:-

(क) राष्ट्रपति की, यदि प्रस्तावित सेवाएँ अथवा रोजगार भारत से बाहर कहीं हो, अथवा

(ख) उस प्राधिकारी की जो उसे नियुक्त करने हेतु सशक्त बनाया गया हो, यदि प्रस्तावित सेवा अथवा रोजगार भारत में ही कहीं हो।

(2)(क) सेवा का कोई सदस्य अवकाश पर रहते हुए, सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश के अतिरिक्त, किसी अन्य सेवा अथवा रोजगार को अपनाने का सामान्यतः अनुज्ञात नहीं होगा।

(ख) यदि किसी विशेष दशा में इस प्रकार की अनुमति देना वांछनीय समझा जाए तो सेवा का सदस्य अस्थाई रूप से अपनी सेवा मूल विभाग से उस कार्यालय में स्थानांतरित करा सकता है जिस में सेवा अथवा रोजगार लेने का वह अनुज्ञात हो अथवा यह आवश्यक हो सकता है कि किसी अन्य सेवा अथवा रोजगार लेने से पहले वह अपनी नियुक्ति त्याग दे।

(ग) सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश पर रहते हुए सेवा का कोई सदस्य निजी रोजगार लेने का अनुज्ञात नहीं होगा. लेकिन वह पब्लिक सेक्टर उपक्रम अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित या वित्तपोषित किये जाने वाले निकाय में रोजगार लेने का अनुज्ञात हो सकता है और उस दशा में सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश हेतु दिया जाने वाला अवकाश वेतन भी वही होगा जो नियम 56 के अधीन ग्राह्य है।

(3)(क) ऐसी दशा में जब सेवा का कोई सदस्य सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश पर अग्रेषित हो चुका हो, ऐसे अवकाश के दौरान सेवानिवृत्ति की तिथि से पहले केंद्रीय सरकार के अधीन किसी पद पर भारत के अंदर अथवा बाहर अथवा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में रोजगार हेतु अपेक्षित हो तथा कार्य पर वापस आने से सहमत हो तो अवकाश का शेष भाग कार्य ग्रहण करने की तिथि से रद्द कर दिया जाएगा।

(ख) खंड (क) के अधीन इस प्रकार रद्द किया गया अवकाश, नियम 57 के उपनियम

(2) में निर्बंधित रूप में भुनाए जाने का अनुज्ञात होगा।

अध्याय-III

अवकाश प्रदान किया जाना एवं उस से वापसी

13. अवकाश हेतु आवेदन पत्र:-

अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी को अवकाश हेतु अथवा अवकाश के विस्तारण हेतु कोई भी आवेदन पत्र फार्म 1 अथवा फार्म 2 में, जैसा लागू हो, दिया जाएगा।

14. अवकाश लेखा:-

लेखा अधिकारी द्वारा सेवा के हर एक सदस्य के सन्दर्भ में एक अवकाश लेखा फार्म 3 में जिला न्यायालय के कार्यालय में अनुरक्षित किया जाएगा।

टिप्पणि:- जिला न्यायाधीश हर उत्तरवर्ती मास के दसवें दिन सेवा के हर एक सदस्य के अवकाश लेखा का मासिक विवरण उच्च न्यायालय को भेजेंगे।

15. अवकाश के हक का सत्यापन:-

(1) सेवा के सदस्य को तब तक कोई अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा जब तक कि इस के ग्राह्यता के सन्दर्भ में अवकाश लेखा अनुरक्षित रखने वाले प्राधिकारी से रिपोर्ट न प्राप्त कर ली गई हो।

टिप्पणि:- अवकाश मंजूरी हेतु आदेश, सेवा के सदस्य के प्रत्यय उपार्जित अवकाश/अर्ध वेतन अवकाश के अतिशेष को उपदर्शित करेगा।

(2)(क) जहाँ विश्वास करने का कारण हो कि ग्राह्यता रिपोर्ट की प्राप्ति में असम्यक विलम्ब होगा तो अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी उपलब्ध सूचना के आधार पर सेवा के सदस्य को ग्राह्य अवकाश की मात्रा का परिकलन कर सकता है एवं अवकाश की निर्बंधित अनुमति एक कालावधि हेतु, जो साठ दिनों से अधिक नहीं हो, दे सकता है।

(ख) इस उपनियम के अधीन प्रदानित अवकाश, अवकाश लेखा अनुरक्षित रखने वाले प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के अध्यधीन होगा और जहाँ आवश्यकता हो अवकाश की कालावधि हेतु एक अंशित मंजूरी दी जा सकती है।

16. निश्चित विभव में अवकाश का नहीं प्रदान किया जाना:-

सेवा के उस सदस्य को अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा जिसे दंड देने हेतु सक्षम प्राधिकारी सरकारी सेवा से पदच्युत, अपसारित अथवा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का निर्णय ले चुका हो।

17. चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर अवकाश प्रदान किया जाना:-

सेवा के किसी सदस्य द्वारा चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर अवकाश हेतु दिया जाने वाला आवेदन पत्र प्राधिकृत मेडिकल प्रकिंशनर से मिले फार्म 4 के अनुसार एक चिकित्सीय प्रमाणपत्र के संग होगा।

स्पष्टीकरण:- (1) प्राधिकृत मेडिकल प्रकिंशनर का अर्थ वह व्यक्ति होगा जो सरकार द्वारा किसी अनुमोदित औषध तंत्र के अधीन औषध के आचरण करने हेतु प्राधिकृत हो।

(2) एक प्राधिकृत मेडिकल प्रकिंशनर किसी ऐसी दशा में अवकाश प्रदानित किये जाने की सिफारिश नहीं करेगा जिस में युक्तियुक्त सम्भावना नहीं प्रतीत होती हो के सेवा का सम्प्रक्त सदस्य कभी भी अपने कार्य सम्भालने योग्य होगा और ऐसी दशा में यह राय कि सेवा का सदस्य स्थायी रूप से सरकारी सेवा हेतु अयोग्य है, चिकित्सीय प्रमाणपत्र में अभिलेखित किया जाएगा।

(3) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकाधिकार पर एक सरकारी चिकित्सीय अधिकारी, जो सिविल सर्जन अथवा स्टाफ सर्जन के पद से नीचे का नहीं हो, को अनुरोध करके आवेदक का सब से पहले संभव तिथि को चिकित्सीय परीक्षण करवाकर द्वितीय चिकित्सीय राय सुनिश्चित कर सकता है।

(4) उप-नियम (3) में निर्दिशित सरकारी चिकित्सीय अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह रुग्णावस्था की वास्तविकता और सिफारिश किये गए अवकाश की मात्रा हेतु आवश्यकता दोनों के सन्दर्भ में एक राय अभिव्यक्त करे और इस उद्देश्य से वह आवेदक को अपने समक्ष अथवा उसके द्वारा नामनिदेशित किसी अन्य चिकित्सीय अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने की अपेक्षा करे।

(5) इस नियम के अधीन चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रदानित किया जाना स्वयं सेवा के सम्प्रक्त सदस्य को अवकाश का अधिकार प्रदान नहीं करता। अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी के पास यह चिकित्सीय प्रमाणपत्र अग्रेषित किया जाएगा और उस प्राधिकारी के आदेश की प्रतीक्षा की जाएगी।

(6) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकाधार पर एक समय 3 दिनों से अधिक नहीं होने वाले कालावधि के अवकाश हेतु आवेदन पत्र की दशा में चिकित्सीय प्रमाणपत्र लाने को अभिव्यक्त कर सकता है। तथापि ऐसा अवकाश चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर मिला अवकाश नहीं माना जाएगा और उसे चिकित्सीय आधार पर मिले अवकाश के बजाए अन्य किसी अवकाश के विरुद्ध विकलित किया जाएगा।

18. सेवा के उस सदस्य को अवकाश, जिसके कार्य पर स्वस्थ होकर वापस आने की संभावना नहीं है :-

(1) (क) जब चिकित्सा प्राधिकारी यह रिपोर्ट दे कि इसकी यथोचित संभावना नहीं है कि सेवा का सदस्य कभी भी अपना कार्यग्रहण करने हेतु स्वस्थ होगा, सेवा के ऐसे सदस्य को आवश्यक रूप से अवकाश अस्वीकृत नहीं किया जायेगा।

(ख) यदि देय है तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है :-

(i) यदि चिकित्सा प्राधिकारी निश्चित रूप से यह कहने में असमर्थ है कि सेवा का सदस्य कभी भी सेवा हेतु पुनः स्वस्थ नहीं होगा तो कुल मिलाकर बारह मासों से अधिक का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा एवं ऐसे अवकाश को एक चिकित्सा प्राधिकारी के बिना पुनः संदर्भित किये, आगे विस्तारित नहीं किया जायेगा ;

(ii) यदि सेवा के किसी सदस्य को चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा हेतु पूर्णतः और स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया जाता है तो चिकित्सा प्राधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात उसका अवकाश अथवा अवकाश में विस्तार स्वीकृत किया जा सकता है, बशर्ते कि चिकित्सा प्राधिकारी की रिपोर्ट की तिथि के पश्चात कार्य की किसी अवधी के सहित अवकाश खाते में विकलित किये गए अवकाश की मात्रा छः मास से अधिक न होती हो।

(2) सेवा का वह सदस्य जिसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा हेतु पूर्णतः तथा स्थाई रूप से असमर्थ घोषित किया गया है तो:-

(क) यदि वह कार्य पर है तो वह सेवा अवधि के दौरान सेवा से अविधिमान्य नहीं किया जायेगा ;

(ख) यदि वह पहले से ही अवकाश पर है तो इसे उपनियम (1) के अंतर्गत प्रदान किये गए उस अवकाश की समाप्ति अथवा अवकाश के विस्तार, यदि कोई है, की समाप्ति पर सेवा से अविधिमान्य नहीं किया जाएगा।

19. अवकाश का प्रारंभ और अंत:-

नियम 20 में जैसा उपबंधित है उसके सिवाए, अवकाश साधारणतः उस दिवस से प्रारंभ होता है जिस दिवस को कार्यभार का अन्तरण प्रभावी होता है एवं उस दिवस के पूर्णगमी दिवस पर समाप्त होता है जब कार्यभार ग्रहण किया जाता है।

20. छुटियों का अवकाश के साथ संयोजन:-

(1)(i) जब वह दिवस जो सेवा के सदस्य के अवकाश (चिकित्सा प्रमाण-पत्र पर अवकाश से भिन्न) के प्रारम्भ के दिवस से ठीक पूर्व का दिवस अथवा वह दिवस जब उसका अवकाश समाप्त होता है, के ठीक बाद का दिवस है, एक छुट्टी का दिवस अथवा छुटियों की एक शृंखला है तो सेवा के सदस्य को (सिवाय ऐसे मामलों में जहाँ प्रशासनिक कारणों हेतु अवकाश के साथ छुटियों को पूर्वयोजित/पश्योजित करने हेतु अनुज्ञा विनिर्दिष्ट रूप से विधारित की जाती है) उसे पूर्व दिवस की समाप्ति पर मुख्यालय छोड़ने हेतु अथवा छुट्टी अथवा छुटियों की शृंखला के पश्चात दिवस को लौटने हेतु अनुज्ञात समझा जाएगा।

(ii) चिकित्सा प्रमाण पत्र के आधार पर अवकाश के मामले में ---

(क) जब सेवा के किसी सदस्य को कार्यालय में उपस्थिति हेतु अस्वस्थ प्रमाणित किया गया हो। उसके इस प्रकार प्रमाणित किये जाने के ठीक पूर्व का दिवस यदि कोई छुट्टी(यां) है तो उसे स्वमेव ही अवकाश में पूर्वयोजित कर दिया जाएगा एवं जिस दिन वह इस प्रकार प्रमाणित किया गया है उसके ठीक पश्चात के दिवस यदि कोई, छुट्टी(यां) है (उस दिवस को सम्मिलित करते हुए) तो उसे स्वमेव ही अवकाश में पश्योजित कर लिया जाएगा, एवं ,

(ख) जब सेवा के किसी सदस्य को कार्यग्रहण करने हेतु चिकित्सीय रूप से स्वस्थ प्रमाणित किया जाता है तो जिस दिन वह ऐसा प्रमाणित किया गया है (उस दिवस को सम्मिलित करते हुए) छुटियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें स्वमेव ही अवकाश के साथ पश्योजित कर दिया जाएगा।

(2) जब तक कि अवकाश स्वीकृत करने हेतु सक्षम प्राधिकारी किसी मामले में अन्यथा निर्देशित न करे -

(क) यदि छुटियों अवकाश से पूर्वयोजित हैं तो अवकाश एवं वेतन और भत्तों की कोई तत्सम्बन्धी पुनःव्यवस्था छुटियों के पश्चात के दिवस से प्रभावशील होगी; एवं

(ख) यदि छुटियों अवकाश के पश्योजित हैं तो अवकाश को समाप्त समझा जाएगा एवं वेतन एवं भत्तों की कोई तत्सम्बन्धी पुनर्व्यवस्था उस दिवस से प्रभावशील होगी जिस दिवस को यदि छुटियों पश्योजित न की गई होतीं तो अवकाश समाप्त हो गया होता।

21. दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा के सदस्य के रूप में सेवा निवृत्ति अथवा नियुक्ति की तिथि से परे अवकाश प्रदान किया जाना:-

दिल्ली न्यायिक सेवा नियम, 1970 नियम 31ए के अंतर्गत सेवा के सदस्य को उस तिथि से परे कोई अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा जिस दिन वह सेवानिवृत्त होता है या दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा के सदस्य के रूप में नियुक्त होता है।

22. अवकाश की समाप्ति के पूर्व कार्य पर वापस बुलाया जाना:-

(1) ऐसे मामले में जब सेवा का कोई सदस्य अपने अवकाश की समाप्ति से पूर्व कार्य पर वापस बुलाया जाता है तो कार्य पर ऐसे वापस बुलाये जाने को समस्त मामलों में अनिवार्य माना जाएगा एवं सेवा के सदस्य को निम्नलिखित की पात्रता होगी -

(क) यदि वह अवकाश, जिससे वापस बुलाया गया है, भारत में ही है तो जिस तिथि को वह उस कार्यस्थल के लिये प्रस्थान करता है जिसके लिये उसे आदेशित किया गया है उसी तिथि से उसे कार्य पर माना जाएगा एवं वह निम्न को प्राप्त करेगा -

(i) इस निमित्त बने नियमों के अंतर्गत उस यात्रा हेतु यात्रा भत्ता; एवं

(ii) जब तक वह अपना पद ग्रहण नहीं करता है वह, उसी दर से अवकाश वेतन प्राप्त करेगा जिस दर से वह प्राप्त करता, यदि उसे अवकाश से वापस नहीं बुलाया जाता।

(ख) यदि अवकाश जिससे उसे वापस बुलाया गया है भारत के बाहर है तो भारत तक की यात्रा में प्रयुक्त समय को अवकाश की गणना के उद्देश्य हेतु, उसे कार्य पर माना जाएगा और वह प्राप्त करेगा -

(i) अवकाश वेतन, भारत तक यात्रा के दौरान की अवधि एवं भारत में उत्तरने की तिथि से उसके पद ग्रहण करने की तिथि तक की अवधि तक, उसी दर से अवकाश वेतन प्राप्त करेगा जिस दर से वह उसे प्राप्त करता, यदि उसे अवकाश से वापस न बुलाया गया होता।

(ii) भारत में पहुँचने तक की निःशुल्क यात्रा सुविधा।

(iii) यदि उसने भारत में वापसी पर, रवानगी की तिथि तक अपने अवकाश की आधी कालावधि अथवा तीन मास, जो भी कम हो, पूर्ण नहीं किया हो तो भारत से जाने में किये गए यात्रा व्यय को वापस पाने का हकदार होगा।

(iv) भारत में उत्तरने के स्थान से कार्यस्थल तक की यात्रा हेतु उस समय प्रवृत्त नियमों के अंतर्गत यात्राभत्ता।

23. अवकाश से वापसी:-

(1) अवकाश पर जाने वाला सेवा का कोई सदस्य अपने स्वीकृत किये गये अवकाश की अवधि के समाप्त होने से पूर्व, तब तक अपने कार्य पर वापस नहीं आ सकेगा जब तक कि उसे ऐसा करने कि अनुमति उस प्राधिकारी द्वारा नहीं दी जाती जिसने उसे अवकाश प्रदान किया था।

(2) चाहे उपनियम (1) में कुछ भी निहित कर्यों न हो, सेवा-निवृति पूर्व अवकाश पर गए सेवा के किसी सदस्य को, जिस पद से वह सेवा निवृति पूर्व अवकाश पर गया था, उस पद पर नियुक्त करने वाले सक्षम प्राधिकारी कि सहमति के बिना कार्य पर वापस आने से प्रतिबाधित किया जाएगा।

(3) सेवा का वह सदस्य जिसने चिकित्सा प्रमाणपत्र के आधार पर अवकाश लिया हो, वह अपने कार्य पर तब तक वापस नहीं आ सकता जब तक कि वह फार्म 5 के अनुसार स्वस्थता चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं कर देता।

(4) (क) इस आशय के विनिर्दिष्ट आदेशों के अभाव में अवकाश से वापस लौटने वाला सेवा का कोई सदस्य इस विषय के अनुक्रमण में उस पद पर पुनः कार्य ग्रहण करने का अधिकार नहीं रखता है, जिस पद पर वह अवकाश पर जाने से पूर्व पदस्थ था।

(ख) सेवा का ऐसा सदस्य अपने कार्य पर वापस उपस्थित होने कि सूचना उस प्राधिकारी को जिसने उसके अवकाश को स्वीकृत किया था अथवा उस प्राधिकारी को, यदि कोई अवकाश स्वीकृत करने वाले आदेश में निर्दिष्ट है, देगा।

टिप्पणी-- सेवा के किसी क्षय रोग से पीड़ित सदस्य को उस स्वस्थता प्रमाण-पत्र के आधार पर कार्य पर उपस्थित होने कि अनुमति दी जा सकती है, जिसमें उसके लिए हल्के कार्य की अनुशंसा की गई हो।

24. अवकाश समाप्ति के पश्चात् अनुपस्थिति:-

(1) जब तक कि अवकाश स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी अवकाश में विस्तार नहीं करता, सेवा का वह सदस्य जो अवकाश समाप्त होने के पश्चात् अनुपस्थित रहता है, ऐसी अनुपस्थिति की अवधि के अवकाश वेतन का हकदार नहीं होगा एवं वह अवधि उसके अवकाश लेखा से अर्धवेतन अवकाश के रूप में विकलित की जायेगी उस सीमा तक जितना ऐसा अवकाश देय है, ऐसे देय अवकाश से अधिक अवधि असाधारण अवकाश के रूप में मानी जायेगी।

(2) अवकाश के पश्चात् स्वेच्छापूर्ण कार्य से अनुपस्थित रहने वाला सेवा का कोई सदस्य, अनुशासनिक कार्यवाई का भागीदार होगा।

अध्याय-IV

देय एवं ग्राह्य अवकाशों के प्रकार

25. दीर्घावकाश विभाग में सेवा के सदस्यों के लिए उपार्जित अवकाश:-

(1) सेवा का एक सदस्य जो किसी वर्ष में पूर्ण अवकाश का उपभोग करता है, वह अपने कर्तव्य पालन के संदर्भ में किसी उपार्जित अवकाश का हकदार नहीं होगा।

(2) (क) उस वर्ष के विषय में जिस में सेवा का कोई सदस्य आंशिक दीर्घावकाश लेता है तो वह उपार्जित अवकाश को इस अनुपात में लेने का हकदार होगा जितने अवकाश के दिन उसने पूर्ण अवकाशकाल में नहीं लिए हैं।

बशर्ते कि सेवा के किसी सदस्य को इस प्रकार की छुट्टी अपनी सेवा के प्रथम वर्ष में एक स्थाई या स्थायी कर्मचारी के रूप में ग्राह्य नहीं होगी।

(ख) सेवा के सदस्य के अर्जित अवकाश खाते में, दीर्घावकाश मास के दौरान उसके द्वारा छुट्टियों का उपभोग नहीं किये जाने का पूर्वानुमान करते हुए, प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के जनवरी और जुलाई के प्रथम दिवस पर 15-15 दिनों का उपार्जित अवकाश दो किस्तों में पहले ही दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1 : यदि किसी मामले में, सेवा के किसी सदस्य ने दीर्घावकाश या आंशिक दीर्घावकाश का उपभोग किया हो तो दीर्घावकाश मास पूर्ण होने के तुरंत बाद वाले मास में उसके उपार्जित अवकाश लेखा की उचित रूप से कैफियत बताई जायेगी।

स्पष्टीकरण 2 : इस नियम के उद्देश्य हेतु, शब्द 'वर्ष' का अर्थ वह कैलेंडर वर्ष नहीं होता जिसमें कार्य किया जाता है किन्तु इसका अर्थ दीर्घावकाश विभाग में वास्तविक कार्यकाल वाले 12 मासों से होता है।

टिप्पण 1 – सेवा का एक सदस्य जिसे अवकाश का अधिकार प्राप्त है, उसका अवकाश अथवा अवकाश के अंश का उपभोग कर लेना समझा जाएगा जब तक कि उससे किसी उच्चतर प्राधिकारी के सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा ऐसे अवकाश अथवा अवकाश के अंश को छोड़ना अपेक्षित नहीं हो।

बशर्ते कि यदि उसे इस प्रकार के आदेश द्वारा, दीर्घावकाश के 15 दिनों से अधिक छुट्टियों का उपभोग करने से रोका गया हो तो यह माना जाएगा कि उसने कोई भी आंशिक अवकाश लिया ही नहीं।

टिप्पण 2 – जब सेवा का एक सदस्य पूरे एक साल कार्य करने से पहले ही छुट्टी पर जाता है, तो उसकी ग्राह्य अर्जित छुट्टी की गणना उस दीर्घावकाश में नहीं की जायेगी जो अवकाश उसकी छुट्टी पर जाने से पहले वास्तविक कर्तव्य की कालावधि के दौरान आता है। किन्तु उस दीर्घावकाश में की जाएगी जो उसके कार्य के पूर्व वर्ष के समाप्त होने की तिथि से आरम्भ होने वाले वर्ष के दौरान आता है।

(3) दीर्घावकाश इन नियमों के अंतर्गत किसी भी प्रकार की छुट्टी संयोजन के साथ या निरंतरता में और आकस्मिक छुट्टियों के साथ भी लिया जा सकता है।

26. दीर्घावकाश अथवा आंशिक दीर्घावकाश का उपभोग नहीं करने वाले सेवा के किसी सदस्य के लेखा में उपार्जित अवकाश स्वीकृति का विनियमन:-

(क) यदि सेवा के सदस्य की नियुक्ति वर्ष के जनवरी मास के प्रथम दिवस के पश्चात् हुई है तो अपनी नियुक्ति किये जाने वाले कैलेंडर वर्ष के छः मालौं में उसके द्वारा ही जाने याती सेवा के प्रत्येक पूर्ण मास के लिये 2 ½ दिवसों की दर से उसके अवकाश खाते में उपार्जित अवकाश जमा किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :- यदि जनवरी के प्रथम दिवस अथवा जुलाई के प्रथम दिवस को छुट्टी है एवं एक सदस्य इसके अगले कार्य दिवस पर सेवा ग्रहण करता है तो वह अवकाश कि समस्त जमा का हकदार होगा।

(ख) अर्धवर्ष हेतु जमा जिसमें सेवा का सदस्य सेवा से सेवानिवृत्त होने वाला है अथवा त्यागपत्र देने वाला है, तो अर्धवर्ष में सेवा-निवृत्ति अथवा त्यागपत्र की तिथि तक प्रत्येक पूर्ण मास के लिए केवल 2 ½ दिवसों की दर से अवकाश प्रदान किया जाएगा। यदि उपभोग किया गया अवकाश जो उसको देय है, जमा से अधिक है तो अवकाश वेतन अत्याहरण, यदि कोई है के सम्बन्ध में आवश्यक समायोजन किया जाएगा।

(ग) सेवा के सदस्य के खाते में अर्धवर्ष कि समाप्ति पर जो उपार्जित अवकाश जमा होगा उसे इस शर्त के साथ अगले अर्धवर्ष में अग्रनीत किया जाएगा कि इस प्रकार अग्रनीत किया गया उपार्जित अवकाश एवं अर्धवर्ष हेतु जमा 300 दिवसों से अधिक नहीं होगा जिसके लिए सेवा में रहते हुए अथवा नियम 57 के अंतर्गत अवकाश यात्रा छूट सहित नकटीकरण अनुज्ञात है।

स्पष्टीकरण:- ऐसे मामलों में जहाँ 1 जनवरी /1 जुलाई को जमा उपार्जित अवकाश 300 दिवस अथवा उससे कम है परन्तु 285 दिवसों से अधिक है ऐसी स्थिति में 15 दिवसों का उपार्जित अवकाश एक अग्रिम के जमा के रूप में अवकाश खाते में जमा किया जाएगा। तथापि, परिणामिक कुल को 300+ के रूप में एवं 300 दिवसों की सीमा से अधिक दिवसों कि संख्या को कोष्ठक में दर्शाया जाएगा, उसके उपरान्त चालू अर्धवर्ष के दौरान लिए गए अवकाश को प्रथमतः अवकाश खाते में कोष्ठक में दर्शायी गयी संख्या से समायोजित किया जाएगा एवं अर्धवर्ष के अंत पर लिए गए अवकाश को समायोजित करने के पश्चात शेष को समायोजित करने के पश्चात शेष को 300+ एवं 300 दिवसों से अधिक दिवसों कि संख्या, यदि कोई है, के रूप में दर्शाया जाएगा। इस तरह, कुल उपार्जित अवकाश पर पहुँचते हुए जो अगले अर्धवर्ष के आरम्भ में पुनः जमा की जानी है कोष्ठक में दर्शाये गए दिवसों कि संख्या को जमा किये जाने हेतु चाहे गए 15 दिवसों के उपार्जित अवकाश की कुल संख्या से काटा जाएगा।

(घ) जब सेवा के सदस्य को सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा सेवा में सहजे हुए उसकी मृत्यु हो जाती है तो जिस मास में उसे सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया

जास्त है अथवा सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है, उसके पूर्ववर्ती मास के अंत तक प्रत्येक पूर्णमास के लिए 02 ½ दिवसों की दर से उपार्जित अवकाश जमा करने की अनुमति दी जायेगी। जहाँ उपभोग किये गए उपार्जित अवकाश की मात्रा अवकाश से अधिक है ऐसे मामलों में अवकाश वेतन के अधिक भुगतान को वसूल किया जाएगा।

(इ.) इन नियमों के अंतर्गत जमा को प्रदान करते हुए, दिवस के भाग को निकटतम दिवस तक पूर्णांकित किया जाएगा।

(च) सेवा के सदस्य को एक समय में अधिकतम 180 दिवसों का उपार्जित अवकाश प्रदान किया जाएगा। परन्तु यह कि सेवानिवृत्ति से पूर्व में प्रदान किया गया उपार्जित अवकाश 300 दिवसों के अध्यधीन होगा।

(छ) अवकाश के औपचारिक आवेदन को नियमों के साथ संलग्न फार्म 'ए' अथवा 'बी' में सदैव आवश्यक रूप से 15 दिवसों से अग्रिम में प्रस्तुत किया जाएगा जब तक कि वे पूर्णतया अप्रत्याशित रूप से अन्यावश्यकताओं द्वारा रोकी जाएँ।

(ज) यदि सेवा के किसी सदस्य ने असाधारण अवकाश का उपभोग किया है एवं/अथवा अर्धवर्ष की अवधि में कुछ समय की अवधि कि अनुपस्थिति को अकार्य दिवस माना गया है तो उसके अगले अर्धवर्ष की अवधि के ऐसे प्रारंभ में (दो अवकाश में से) उसके अवकाश खाते से ऐसे अवकाश एवं/अथवा अकार्य दिवस की अवधि का अधिकतम 15 दिवसों के अध्यधीन ~~परन्तु~~ भाग कम कर दिया जाएगा।

27. अर्धवेतन अवकाश:-

(क) सेवा के प्रत्येक सदस्य के अर्धवेतन अवकाश खाते में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के जनवरी एवं जुलाई के प्रथम दिवस को 10-10 दिवसों की दो अर्धवेतन अवकाश किस्तें अग्रिम में जमा की जायेगी।

(ख) सेवा के प्रत्येक पूर्णमास हेतु 05/3 दिवसों की दर से उपरोक्त अवकाश खाते में अवकाश जमा किये जायेंगे जो (सेवा) वह कैलेंडर वर्ष के अर्धवर्ष में देने वाला है जिसमें वह नियुक्त हुआ है।

(ग) सेवा का सदस्य जो सेवा से सेवानिवृत्ति लेने वाला हो अथवा त्यागपत्र दे उसे उस अर्धवर्ष हेतु प्रति पूर्ण मास 05/3 दिवसों की दर से सेवानिवृत्ति अथवा त्याग-पत्र की तिथि तक (उपार्जित अवकाश) जमा करने की अनुमति दी जायेगी।

(घ) जब सेवा के सदस्य को सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा उसकी सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है तो जिस मास में उसे सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है, उसके पूर्ववर्ती मास के अंत तक, प्रत्येक पूर्णमास हेतु 05/3 दिवसों की दर से अर्धवेतन अवकाश जमा करने की अनुमति दी जायेगी।

(ङ.) जहाँ एक अर्धवर्ष में सेवा के सदस्य की एक अवधि की अनुपस्थिति अथवा निलंबन को अकार्य दिवस माना गया है तो उसके अगले अर्ध वर्ष की अवधि के प्रारंभ में उसके अर्धवेतन अवकाश खाते से ऐसे अकार्य दिवस की अवधि का अधिकतम 10 दिवसों के अध्यधीन 01/18 भाग कर दिया जाएगा।

(च) इस नियम के अंतर्गत अवकाश चिकित्सीय प्रमाण-पत्र पर अथवा प्राइवेट कार्यों के आधार पर दिया जाएगा।

(छ) अर्धवेतन अवकाश की जमा को जोड़ते समय, दिन के एक भाग को निकटतम दिवस के साथ पूर्णांकित किया जाएगा।

28.. परिवर्तित अवकाश :-

(क) सेवा के सदस्य को चिकित्सकीय प्रमाणपत्र के आधार पर परिवर्तित अवकाश जो देय अर्धवेतन की आधी मात्रा से अधिक नहीं होगा इन शर्तों के अध्यधीन प्रदान किया जाएगा कि ऐसे अवकाश की दोगुनी मात्रा देय अर्धवेतन अवकाश में देय होगी।

(ख) इस नियम के अंतर्गत कोई परिवर्तित अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा सिवाय इसके कि सक्षम प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने हेतु कारण हो कि सेवा का सदस्य (अवकाश) की समाप्ति पर कार्य पर वापस आएगा।

जहाँ सेवा का सदस्य जिसे परिवर्तित अवकाश स्वीकृत किया जाया है, सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा, उसकी प्रार्थना पर, उसे कार्य पर बिना वापस आये स्वेच्छा से सेवानिवृत होने की अनुमति दी जाती है, ऐसी स्थिति में परिवर्तित अवकाश को अर्धवेतन अवकाश के रूप में माना जाएगा एवं परिवर्तित अवकाश के सम्बन्ध में अवकाश वेतन एवं अर्धवेतन अवकाश के बीच का अंतर वसूल किया जाएगा।

परन्तु यह कि यदि सेवा का सदस्य खराब स्वास्थ्य के कारण आगे की सेवा करने में असमर्थता के कारण सेवानिवृत होता है अथवा उसकी मृत्यु की दशा में ऐसी कोई वसूली नहीं की जायेगी।

(ग) उच्च न्यायालय द्वारा सम्पूर्ण सेवा के दौरान अधिकतम 180 दिवसों के अर्ध वेतन अवकाश को परिवर्तित करने की अनुमति दी जा सकती है जहाँ ऐसे अवकाश का उपयोग अध्ययन के अनुमोदित पाठ्यक्रम हेतु, जो एक संस्थान के रूप में न्यायपालिका के हित में प्रमाणित हो, होता है।

स्पष्टीकरण :- (1) सेवा के सदस्य की प्रार्थना पर उसको परिवर्तित अवकाश तब भी प्रदान किया जा सकता है जब उसको उपर्जित अवकाश देय हो।

(2.) तथापि परिवर्तित अवकाश केवल अधिकृत चिकित्सक के प्रमाणपत्र की प्रस्तुति पर ही स्वीकृत किया जाएगा।

29. अदेय अवकाश :-

(क) सेवानिवृत्ति से पूर्व अवकाश के मामले को छोड़कर, सेवा के सदस्य को चिकित्सीय प्रमाणपत्र के आधार पर संपूर्ण सेवा के दौरान अधिकतम 360 दिवसों तक सीमित अदेय अवकाश स्वीकृत किया जा सकेगा। तथापि, महिला सदस्य के मामले में, अवकाश बिना चिकित्सीय प्रमाणपत्र के स्वीकृत किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन अवकाश शिशु देखभाल अवकाश मातृत्व अवकाश एवं दत्तक अवकाश की निरंतरता में हो :

(i) जब सक्षम प्राधिकारी संतुष्ट हो, कि अवकाश की समाप्ति पर सेवा के सदस्य के कार्य पर वापस लौटने की युक्तियुक्त सभाव्यता है।

(ii) अदेय अवकाश उतने अर्थ वेतन अवकाश तक सीमित रहेगा जितना वह उसके पश्चात् अर्जित करने वाला है।

(iii) अदेय अवकाश अर्थ वेतन अवकाशों के प्रति विकलित किया जायेगा जिसे सेवा का सदस्य तत्पश्चात् अर्जित करता है।

(ख) (i) जहाँ सेवा का सदस्य जिसे अदेय अवकाश स्वीकृत किया गया हैं, सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा उसकी पार्थना पर उसे कार्य पर वापस लौटे बिना स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति दे दी जाती तो अदेय अवकाश उसके त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्त के प्रभावी होने की उस तिथि से अस्वीकृत किया जायेगा जब ऐसा अवकाश आरंभ हुआ था, एवं अवकाश वेतन को वसूल किया जायेगा।

(ii) जब सेवा का कोई सदस्य अदेय अवकाश के उपभोग के बाद अपना पद पुनः ग्रहण करता है एवं इससे पूर्व कि वह ऐसे अवकाश को अर्जित करे, अपनी सेवा को त्याग देता है अथवा सेवानिवृत्त हो जाता हैं, वह इसका दायी होगा कि वह अवकाश वेतन को उस सीमा तक वापस कर दे जो तत्पश्चात् अवकाश उपार्जित नहीं हुआ हो।

उपबंधित कि उपनियम (ए) या उपनियम (बी) के अधीन अवकाश वेतन की वसूली नहीं होगी यदि सेवानिवृत्त, ऐसी बीमारी के कारण हो, जिसके परिणामस्वरूप सेवा का सदस्य आगे कार्य करने में असमर्थ हो अथवा उसकी मृत्यु हो गयी हो।

(iii) जब सेवा का सदस्य अदेय अवकाश की निरंतरता के दौरान अथवा अदेय अवकाश की कालावधि की समाप्ति पर असमर्थ हो जाए तो वह ऐसे अदेय अवकाश के अवसान की तिथि से सेवानिवृत्त समझा जाएगा अथवा समझी जायेगी।

30. असाधारण अवकाश :-

(क) नियम 11 के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने वाले अवकाश की अधिकतम कालावधि के अध्यधीन सेवा के सदस्य को निम्नलिखित विभव में असाधारण अवकाश प्रदान किया जा सकता है, इसका तात्पर्य यह है कि -

- (i) जब किसी अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य नहीं हो, अथवा
- (ii) जब कोई अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य हो परन्तु सेवा का सदस्य लिखित रूप में असाधारण अवकाश प्रदान किये जाने हेतु आवेदन करे
- (ख) सक्षम प्राधिकारी अवकाश के बिना अनुपस्थिति वाली कालावधि को भूतलक्षी रूप से असाधारण अवकाश में परिवर्तित कर सकता है तब भी जब अवकाश के बिना अनुपस्थित रहने के समय अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य था।
- (ग) असाधारण अवकाश, अवकाश लेखा से विकलित नहीं होगा।
- (घ) असाधारण अवकाश के दो दौर अगर अन्य प्रकार के अवकाश द्वारा अंतरित होंगे तो वह उपनियम (क) के उद्देश्य हेतु असाधारण अवकाश का एक निरंतर दौर माने जायेगे।

31. साशय अधिरोपित क्षति हेतु विशेष अशक्तता अवकाश :

- (1) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी सेवा के किसी सदस्य को (चाहे वह स्थायी हो अथवा अस्थायी) जो साशय अधिरोपित क्षति अथवा कारित से प्रभावित हो अथवा अपने शासकीय कार्य के शोध्य पालन परिणामस्वरूप अथवा अपने शासकीय पद के परिणामस्वरूप अशक्त हो चुका हो, विशेष अशक्तता अवकाश प्रदान कर सकता है।
- (2) ऐसा अवकाश तब तक प्रदान नहीं किया जायेगा जब तक कि अशक्तता घटना जो इसका कारण है, के तीन मास के भीतर स्वयं प्रकट न हुई हो तथा अशक्त व्यक्ति ने इसके जान में लाने में सम्यक तत्परता से कार्य न किया हो :

उपबंधित कि अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अशक्तता के कारण से संतुष्ट होकर अवकाश प्रदान किये जाने की अनुमति दे उन दशाओं में भी जब अशक्तता अपने कारित घटना के तीन मास बाद स्वयं प्रकट हुई हो।

- (3) प्रदानित अवकाश कालावधि उतनी ही होगी जो की प्रथिकारित चिकित्सक द्वारा प्रमाणित की गयी हो एवं किसी भी दशा में 24 मास से अधिक नहीं होगी।
- (4) विशेष अशक्तता अवकाश किसी भी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है।

(5) विशेष अशक्तता अवकाश एक से अधिक बार प्रदान किया जा सकता है यदि बाद की तिथि में अशक्तता समान परिस्थितियों में बढ़ जाये अथवा पुनः प्रकट हो जाये परन्तु किसी एक अशक्तता के परिणामस्वरूप 24 मास से अधिक ऐसा अवकाश प्रदान नहीं किया जायेगा।

(6) विशेष अशक्तता अवकाश को पेंशन हेतु सेवा की गणना में कार्य के तौर पर माना जायेगा और उपनियम (7) के खंड (ख) के प्रायधान के अधीन प्रदानित अवकाश के अतिरिक्त अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जायेगा।

(7) ऐसे अवकाशकाल में अवकाश वेतन निम्नानुसार होगा :-

(क) ऐसे अवकाश के किसी कालावधि के प्रथम 120 दिन हेतु, इसमें उपनियम (5) के अधीन प्रदानित ऐसे अवकाश की कालावधि भी सम्मिलित है, उपर्युक्त अवकाश पर रहते हुए मिले अवकाश वेतन के समान होगा।

(ख) किसी ऐसे अवकाश की शेष कालावधि हेतु अर्ध-वेतन अवकाश के दौरान मिले अवकाश वेतन के समान होगा।

उपबंधित कि सेया का एक सदस्य अपने विकल्प पर उपनियम (क) के अनुसार एक कालावधि हेतु जो अन्य 120 दिन से अधिक न हो अवकाश वेतन का अनुजात होगा और इस दशा में ऐसे अवकाश की कालावधि उसके अर्ध-वेतन अवकाश लेखा से विकलित की जायेगी।

32. आकस्मिक क्षति हेतु विशेष अशक्तता अवकाश :-

(1) नियम 31 के प्रायधान उस सेया के सदस्य पर भी लागू होंगे जो किसी आकस्मिक रूप से हुई क्षति के कारण अशक्त हो अथवा अपने पदीय कार्य के सम्यक पालन परिणामस्वरूप अथवा अपने शासकीय पद के परिणामस्वरूप अथवा किसी विशेष कर्तव्य के पालन में हुए रोग के कारण जो उसकी दायित्व को उसके द्वारा गृहनित सिद्धि पद से सम्बंधित साधारण जोखिम से अधिक बीमारी अथवा क्षति को बढ़ाने का प्रभाव रखता हो।

(2) ऐसी दशा में विशेष अशक्तता अवकाश का प्रदान किया जाना आगे की शर्तों के अधीन होगा:-

(i) कि अशक्तता यदि बीमारी के कारण हो तो प्राधिकृत चिकित्सक द्वारा आवश्यक रूप से प्रभागित किया जाये कि यह प्रत्यक्षतः विशेष कार्य के पालन से हुई है।

(ii) कि प्राधिकृत चिकित्सक द्वारा सिफारिश की गई अनुपस्थिति की कालावधि भागतः इस नियम के अधीन अवकाश में आये तथा भागतः किसी अन्य प्रकार के अवकाश में आए और

कि अवकाश वेतन पर प्रदानित विशेष अशक्ता अवकाश की मात्रा उपर्युक्त अवकाश पर ग्राह्य (अवकाश) के समान 120 दिनों से अधिक नहीं हो।

33. प्रसूति अवकाश :-

(ए) सेवा की एक महिला सदस्य को जिसके दो से कम जीवित बच्चे हों, प्रसूति अवकाश उसके प्रारंभ होने की तिथि से 180 दिनों की कालावधि तक संपूर्ण वेतन पर प्रदानित किया जा सकता है। ऐसी कालावधि के दौरान उसे अवकाश वेतन अवकाश पर अग्रेषित होने के तुरंत पहले मिले वेतन के समान दिया जाएगा।

(घ) गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971 के अधीन अथवा अन्यथा : उत्प्रेरित गर्भास्थाय को सम्मिलित करते हुए गर्भपात की दशाओं में चिकित्सकीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर जैसा कि नियम 17 में अधिकथित है सेवा की एक महिला सदस्य को (उत्तरजीवी बच्चों की संख्या पर विचार किए बिना) अधिकतम 45 दिनों की कालावधि हेतु प्रसूति अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

(ग) प्रसूति अवकाश किसी भी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है नियम 28 और नियम 29 में अंतर्विष्ट चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता होने पर भी आयेदन पत्र देने पर अधिकतम दो वर्ष तक किसी प्रकार का अवकाश जो देय अवकाश हो तथा ग्राह्य हो एक कालावधि हेतु परिवर्तित अवकाश जो 60 दिनों से अधिक न हो एवं अद्येय अवकाश सम्मिलित करते हुए उपनियम (ए) के अधीन प्रदानित प्रसूति अवकाश की निरंतरता में दिया जा सकता है।

(घ) प्रसूति अवकाश को अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।

34. पितृत्व अवकाश :-

(क) सक्षम प्राधिकारी द्वारा सेवा का एक पुरुष सदस्य जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों, प्रसव हेतु अपनी पत्नी के प्रसवस्था के दौरान 15 दिनों की कालावधि हेतु पितृत्व अवकाश दिया जा सकता है अर्थात् शिशु के पैदा होने की तिथि से 15 दिन पूर्व अथवा 6 मास पश्चात् तक।

(ख) ऐसे 15 दिनों की कालावधि के दौरान उसे अवकाश पर अग्रसर होने से ठीक पहले मिली वेतन के समान अवकाश वेतन मिलेगा।

(ग) पितृत्व अवकाश को अन्य किसी अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है।

- (घ) पितृन्य अवकाश को अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।
- (ङ) यदि पितृन्य अवकाश का उपभोग उपनियम (क) में विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर नहीं किया गया तो ऐसा अवकाश व्यपगत माना जाएगा।

35. दत्तक ग्रहण अवकाश :-

- (1) सेवा की एक महिला सदस्य, जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों, एक वर्ष से कम आयु वाले शिशु की विधिमान्यरूप से गोद लेने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा दत्तक ग्रहण की तिथि से 180 दिनों की कालावधि हेतु दत्तक ग्रहण अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (2) दत्तक ग्रहण अवकाश की कालावधि के दौरान उसे अवकाश पर अग्रसर होने से ठीक पूर्व मिली वेतन के समान अवकाश वेतन मिलेगा।
- 3(क) दत्तक ग्रहण अवकाश को अन्य अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है।

(ख) उपनियम (1) के अधीन प्रदानित दत्तक ग्रहण अवकाश की निरंतरता में सेवा की एक महिला सदस्य विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण पर यदि इस हेतु आवेदन पत्र दे तो (अद्य अवकाश एवं चिकित्सीय प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के बाहर अधिकतम 60 दिनों तक परिवर्तित अवकाश को सम्मिलित करते हुए) देय एवं ग्राह्य प्रकार का अवकाश भी विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण की तिथि पर दत्तक ग्रहित शिशु की आयु द्वारा घटाए एक वर्ष तक प्रदान की जा सकती है;

उपबंधित की यह सुविधा उस दशा में अनुजाय नहीं होगी जब उसे दत्तक ग्रहण समय पहले से ही दो जीवित बच्चे हों।

- (4) दत्तक ग्रहण अवकाश अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।
- (5) सेवा का एक पुरुष सदस्य जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों एक वर्ष से कम आयु वाले शिशु की विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण पर दत्तक ग्रहण की तिथि से छः मास की कालावधि के भीतर 15 दिनों की कालावधि हेतु पितृन्य अवकाश मंजूर करा सकता है।

36. शिशु देखभाल अवकाश:-

सेवा की किसी महिला सदस्य को जिसे 18 वर्ष से कम आयु के अवयस्क बच्चे हों निम्नलिखित शर्तों पर अपनी सेवा समय के दौरान अधिक से अधिक 2 वर्ष (अर्थात् 730 दिन) की कालावधि हेतु शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है

- (क) शिशु देखभाल अवकाश केवल जीवित दो बड़े बच्चों के लिए अनुज्ञेय होगा।
- (ख) शिशु देखभाल अवकाश एक कैलेंडर वर्ष में 3 दौर से अधिक में प्रदान नहीं किया जा सकता।
- (ग) शिशु देखभाल अवकाश 15 दिनों से कम के लिए प्रदान नहीं किया जा सकता।
- (घ) शिशु देखभाल अवकाश सामान्यता परिवीक्षा काल के दौरान प्रदान नहीं किया जाना चाहिए अतिरिक्त किसी निश्चित अति परिस्थितियों वाली दशा में जब अवकाश मंजूरकर्ता प्राधिकारी परिवीक्षाधीन के शिशु देखभाल अवकाश की आवश्यकता के सन्दर्भ में पूर्ण रूप से संतुष्ट हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परिवीक्षा के दौरान जिस कालावधि हेतु यह अवकाश मंजूर किया जा रहा है वह न्यूनतम हो।
- (ङ) शिशु देखभाल अवकाश एक अधिकार के तौर पर नहीं माँगा जा सकता। किसी भी परिस्थिति में सेवा का सदस्य प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना शिशु देखभाल अवकाश पर अग्रसर नहीं हो सकता।

स्पष्टीकरण:-

शिशु देखभाल अवकाश को उपार्जित अवकाश की तरह माना जाना है और वैसे ही मंजूर होना है परिणामस्वरूप अवकाश की कालावधि के दौरान आने वाले शनिवार, रविवार, राजपत्रित अवकाश इत्यादि को भी शिशु देखभाल अवकाश में गिना जाएगा जैसा कि उपार्जित अवकाश की दशा में होता है।

37. विशेष आकस्मिक अवकाश:-

- (क) उच्च न्यायालय सेवा के सदस्य को आकस्मिक अवकाश दिसम्बर के महीने में अधिकतम एक सप्ताह की कालावधि हेतु प्रदान कर सकता है।
- (ख) सेवा के प्रथम वर्ष में, सेवा के सदस्य को, उच्च न्यायालय के द्वारा अवकाश महीने में निश्चित दिनों की अवधि तक, विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (ग) सेवा के सदस्य के अवकाश लेखा से विशेष आकस्मिक अवकाश विकलित नहीं किये जायेंगे।

38. प्रतिकरात्मक अवकाश:-

- (क) सेवा के सदस्यों को प्रतिकरात्मक अवकाश दिया जा सकता है जब रविवार अथवा अन्य सार्वजनिक अवकाश पर अथवा छुट्टियों के दौरान अनिवार्यरूप से उपस्थिति प्रतिकरात्मक अवकाश को उतने दिनों की संख्या हेतु न्यायसंगत बताए जितने दिन सेवा के सदस्य को कार्यालय/न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

(ख) तथापि, सेवा के उस सदस्य को कोई प्रतिकरात्मक अवकाश ग्राह्य नहीं होगा जो रविवार अथवा अन्य सार्वजनिक छुट्टियों में ऐसे अनिवार्यतः उपस्थिति वाले दिन हेतु मानदेय ले चुका हो या उपयुक्तरूप में पैसे की शक्ति में मुवावजा पा चुका हो अथवा ऐसे दिनों में वह कार्य अवकाश पर रहा हो।

(ग) प्रतिकरात्मक अवकाश का उपभोग इसके देय होने की तिथि से 1 वर्ष की कालावधि के भीतर किया जा सकता है अन्यथा इसको समाप्त समझा जाएगा।

39. परिवीक्षाधीन: परिवीक्षा पर रहने वाले व्यक्ति को अवकाश:-

1. (क) एक परिवीक्षाधीन इन नियमों के अधीन अवकाश का पात्र होगा यदि उसने परिवीक्षा से अन्यतः अपने पद को मूलरूप से ग्रहण किया हो।

(ख) यदि किसी कारणवश परिवीक्षाधीन व्यक्ति कि सेवाएं समाप्त करना प्रस्तावित हो तो कोई अवकाश जो उसे प्रदान किया जाता है, निम्न कालावधि के आगे विस्तारित नहीं होगा :-

(i) उस तिथि के बाद, जिस तिथि को पूर्व से मंजूर अथवा विस्तारित परिवीक्षा कालावधि समाप्त होती है, या

(ii) किसी अन्य पूर्व तिथि के पश्चात् जिस तिथि को उसकी सेवाएं उसे नियुक्त करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार समाप्त होनी है।

(2) एक व्यक्ति जो किसी पद पर परिवीक्षा आधार पर नियुक्त किया गया हो तो वह इन नियमों के अधीन अस्थायी अथवा स्थाई पद पर अपनी नियुक्ति के अनुसार सेवा के स्थाई अथवा अस्थायी सदस्य की हैसियत से अवकाश का पात्र होगा।

उपबंधित कि यदि ऐसा व्यक्ति ऐसी नियुक्ति से पूर्व धारणाधिकार एक स्थाई पद पर पहले से ही हो तो वह इन नियमों के अधीन सेवा के एक स्थाई सदस्य के तौर पर अवकाश का हकदार होगा।

40. सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति :-

सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति के विषय में इन नियमों के प्रावधान वैसे ही लागू होंगे जैसा कि वह अपने पुनः नियोजन की तिथि को प्रथम समय सरकारी सेवा में आया हो।

41. सेवानिवृत्ति-पूर्व अवकाश:-

(1) सेवा का एक सदस्य, अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा, देय उपर्जित अवकाश की सीमा तक, अर्धवेतन अवकाश को मिला कर अधिकतम 300 दिन का सेवानिवृत्ति-

पूर्व अवकाश लेने का अनुज्ञात हो सकता है, इस प्रतिबन्ध के अध्यधीन कि ऐसा अवकाश सेवानियूति की तिथि तक विस्तारित एवं उस तिथि को सम्मिलित हो।

टिप्पणि:- सेवानियूति-पूर्व अवकाश के तौर पर प्रदानित अवकाश में असाधारण अवकाश सम्मिलित नहीं होगा।

अध्ययन V

अध्ययन अवकाश

42. अध्ययन अवकाश प्रदान करने की शर्तेः-

(1.) किसी सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश न्यायिक सेवा कि आवश्यकता पर, भारत में, या भारत के बाहर, किसी विशेष पाठ्यक्रम जिसमें उच्च शिक्षा, किसी व्यवसाय में विशेष प्रशिक्षण या उसके कार्यक्षेत्र से सीधा सम्बन्ध रखने वाले तकनिकी विषय के अध्ययन हेतु प्रदान किया जा सकता है।

(2.) अध्ययन अवकाश किसी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या अध्ययन दौर के लिया प्रदान किया जा सकता है जिसमें सेवा सदस्य को नियमित रूप से शैक्षणिक या अर्ध-शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उपस्थित न होना पड़े यदि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या अध्ययन दौर सरकार के लिए, जनहित में, निश्चित रूप से लाभकारी प्रमाणित हो और सेवा के उस सदस्य के कार्यक्षेत्र से सम्बंधित हो तथा निम्न शर्तों के साथ :-

(क) विशेष अध्ययन तथा अध्ययन दौर को अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम अधिकारी द्वारा मान्य किया हो।

(ख) सेवा के सदस्य के लौटने के पश्चात् उसके द्वारा अध्ययन अवकाश पर किये गए पूरे काम की रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

(3) अध्ययन अवकाश सेवा के सदस्य को जिसका कार्य से सीधा या निकट का सम्बन्ध नहीं है किन्तु जिससे उसका जान इतना विस्तीर्ण हो कि एक न्यायिक अधिकारी के नाते उसकी योग्यता बढ़ाने में सहायक हो तो उसे अध्ययन अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

(4) अध्ययन अवकाश भारत से बाहर अध्ययन के उन विषयों में जारी रखने के लिए नहीं किया जाएगा जिनके अध्ययन की पर्यास सुविधाएं भारत में उपलब्ध हों।

(5) अध्ययन अवकाश सेवा के उस सदस्य को प्रदान किया जा सकता है।

(i) जिसने परिवीक्षाधीन अवधि को संतुश्टिपुर्वक पूरा किया हो तथा जिसने 5 वर्ष या 5 वर्षों से अधिक की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन अवधि को मिलाकार सरकारी नियमित सेवा प्रदान की हो।

(ii) जो अवकाश की समाप्ति के पश्चात् कार्य पर लौटने की प्रत्याशित तिथि के तीन वर्षों के भीतर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति की आयु पर न पहुँचता हो।

(iii) जिसने अवकाश की समाप्ति के पश्चात् सरकार की तीन वर्षों की सेवा करने का वचन, जैसा कि नियम 45(4) के बंध-पत्र में निर्दिष्ट हो, हस्ताक्षर किया हो।

(6) सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश ऐसी आवृत्ति के लिए प्रदान नहीं किया जाएगा जो कि उसके नियमित कार्य के संस्पर्श से उसे दूर करती है तथा जिससे उसके अवकाश पर अनुपस्थिति के कारण संवर्ग कठिनाइयाँ कारित होती हो।

(7) उच्च न्यायालय अध्ययन अवकाश प्रदान करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा।

43. अध्ययन अवकाश की अधिकतम सीमा:

(1) किसी सेवा सदस्य को दी जा सकने वाली अधिकतम अध्ययन अवकाश की सीमा निम्न होगी :

(क) सामान्यतः बारह मास तक एक समय पर तथा

(ख) पूरे सेवा काल में, 24 मास (जिसमें इसी प्रकार का अध्ययन या प्रशिक्षण अवकाश सम्मिलित है जो अन्य नियमों के अंतर्गत स्वीकृत हुआ हो।

44. अध्ययन अवकाश का आवेदन

1. (क) अध्ययन अवकाश का आवेदन, उचित माध्यम द्वारा आवेदन स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को प्रेषित किया जायेगा।

(ख) सेवा के सदस्य, अपने आवेदन में, पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों और कोई भी परीक्षा जो वह देना चाहे का, स्पष्ट उल्लेख करेगा।

(2) जब सेवा के सदस्य के लिए यह संभव न हो कि अपने आवेदन में पूरे विवरण देया भारत से जाने के बाद, भारत में स्वीकृत कार्यक्रम में परिवर्तीन करना चाहें, तो उसे यथाशीघ्र इसका विवरण मिशन प्रमुख को या अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम अधिकारी को देना चाहिए, जैसी स्थिति हो, तथा जब तक अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी कि वीकृति पास न हो, प्रशिक्षण शुरू नहीं करना चाहिए या कोई व्यय नहीं करना चाहिए। अपने जोखिम पर वह ऐसा कर सकेगा।

45. अध्ययन अवकाश कि स्वीकृति:

- (1) लेखा अधिकारी से अध्ययन अवकाश कि स्वीकार्यता सम्बन्धी रिपोर्ट प्राप्त कि जायेगी; परन्तु यदि सेवा के सदस्य वे कोई अध्ययन अवकाश का लाभ उठाया हो, उसे इस रिपोर्ट में सम्मिलित किया जाएगा।
- (2) यदि दिल्ली न्यायिक सेवा के स्थाई केडर के सेवा का कोई सदस्य दूसरे विभाग या स्थापना में अस्थाई रूप से कार्य कर रहा हो तो इसे अध्ययन अवकाश तभी स्वीकृत किया जाएगा जब उच्च न्यायालय कि सहमति प्राप्त हो जाए।
- (3) जब अध्ययन अवकाश, भारत के बाहर अध्ययन हेतु स्वीकृत किया जाये तो अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी इसकी सूचना सम्बंधित मिशन प्रमुख को देंगे, परन्तु जब इस प्रकार के अवकाश प्रशासक द्वारा स्वीकृत किए गए हैं तो सूचना सम्बंधित मंत्रालय के द्वारा भेजी जाएगी।

टिप्पणि: सेवा का सदस्य परिचय पत्र जारी करने या अन्य आवश्यक समान सुविधाओं के लिए मिशन प्रमुख से संपर्क करेगा।

- 4 (क) प्रत्येक सेवा का सदस्य जिसे अध्ययन अवकाश या ऐसे अध्ययन अवकाश में वृद्धि स्वीकृत की गई हो, को फॉर्म 6 या फॉर्म 7, में, जैसी भी स्थिति हो अध्ययन अवकाश या अध्ययन में वृद्धि अवकाश प्रारम्भ करने के पूर्व बोंड प्रस्तुत करेगा।
- (ख) अवकाश स्वीकृत करने हेतु सक्षम प्राधिकारी, लेख अधिकारी को यह प्रमाणपत्र भेजेगा कि सेवा के सदस्य ने खंड (ए) में संदर्भित , आवश्यक बोंड प्रस्तुत कर दिया है।
- 5 (क) अध्ययन समाप्त होने पर, सेवा का सदस्य अध्ययन अवकाश स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी को, जो परीक्षा पास की हो उनके प्रमाणपत्र या उन विषयों के नाम जिनका विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन किया हो, प्रस्तुत करेगा साथ ही वह प्रशिक्षण प्रारम्भ होने की दिनांक तथा प्रशिक्षण समाप्त होने की दिनांक तथा यदि प्रशिक्षण प्रभारी द्वारा कोई भी रिमार्क दिया गया हो, वह भी अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (घ) यदि अध्ययन, भारत के बाहर, अन्य देश में प्राप्त किया गया हो जहाँ भारतीय मिशन हो वहाँ प्रमाणपत्र सम्बंधित मिशन प्रमुख के माध्यम से जमा किए जाएँगे।

46. अध्ययन अवकाश का लेखा और अन्य प्रकार के अवकाशों के साथ जोड़ना:

- (1) अध्ययन अवकाश, सेवा के सदस्य के किसी अवकाश लेखे में विकलित नहीं होगा।
- (2) अध्ययन अवकाश को अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है, परन्तु सेवा के सदस्य को किसी भी स्थिति में अध्ययन एवं अन्य अवकाश मिलाकर सामान्य रूप से 28 मास तथा पी.एच.डी डिग्री के लिए 36 मास से अधिक की अनुपस्थिति नहीं होना चाहिए।

स्पष्टीकरण: इस उप-नियम में दी गई 28 माह तथा 36 माह की सीमा में अवकाश अवधि भी शामिल है।

- (3) सेवा के सदस्य, जिसे अन्य प्रकार के अवकाश के साथ अध्ययन अवकाश स्वीकृत हुआ है, व दूसरे प्रकार के अवकाश के दौरान अध्ययन कर सकता है तथा यदि नियम 50 की शर्त पूरी होती है तोह प्रशिक्षण भत्ता ले सकता है।

बशर्ते कि ऐसे अवकाश अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ आ रहे हों तो इसे अध्ययन अवकाश के रूप में नहीं गिना जाएगा।

47. अध्ययन समाप्ति के पश्चात शेष अध्ययन अवकाश का नियमन:-

जब सेवा के सदस्य का अध्ययन समाप्त हो जाए और अध्ययन अवकाश शेष हो तो वह अध्ययन समाप्त होने पर अपने कर्तव्य पर उपस्थित होगा, जब तक कि शेष 'अध्ययन अवकाश' को सामान्य अवकाश में परिवर्तित किये जाने की सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृति प्राप्त न हो।

48. अध्ययन अवकाश के दौरान अवकाश वेतन:

- (1) उपनियम (6) में प्रावधान के अतिरिक्त, भारत से बाहर अध्ययन अवकाश लेने दे दौरान सेवा का सदस्य उतना ही अवकाश वेतन पाएगा जितना अवकाश लेने से पहले सरकार से, इयूटी पर रहने के दौरान कोई सेवा का सदस्य लेता है, व: अवकाश वेतन और उसके साथ महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अध्ययन भत्ता जो नियम 50 से 53 के अनुसार देय हो, लेगा।

- (2) उपनियम 6 के प्रावधान के अतिरिक्त, भारत में अध्ययन अवकाश आहरित करने के दौरान, सेवा का सदस्य उस राशि के बराबर वेतन, जो सेवा का सदस्य अध्ययन अवकाश प्रारम्भ होने वाले दिन दे पूर्व वाले दिन आहरित कर रहा था, तथा उस वेतन के साथ नियम 52 के प्रावधान के अनुसार महंगाई भता तथा मकान किराया भता आहरित करेगा।
- (3) उपनियम (2) के अंतर्गत पूर्ण दर पर अवकाश वेतन आहरित करने के लिए सेवा के सदस्य को यह प्रमाण देना होगा कि उसे कोई छात्रवृत्ति, वृतिका या पारिश्रमिक किसी अंशकालिक कार्य के लिए नहीं मिल रहा है।
- (4) यदि कर्मचारी को अध्ययन अवकाश काल में कोई छात्रवृत्ति, वृतिका या कर्मचारी द्वारा कोई अंशकालीन कार्य करने का पारिश्रमिक जैसा नियम 49 के उपनियम (2) में दिया है, मिल रहा होगा, तो उस राशि का समायोजन करके अवकाश वेतन में किया जाएगा लेकिन अवकाश वेतन उस अवधि में प्राप्त अर्ध वेतन अवकाश कि राशि से कम नहीं किया जाएगा।
- (5) भारत में अध्ययन के लिए अध्ययन अवकाश के दौरान कोई अध्ययन भता नहीं दिया जाएगा।
- (6) भारत में या भारत के बाहर अध्ययन अवकाश के दौरान, सेवा का सदस्य वेतन पुनरीक्षित होने कि तिथि से पुनरीक्षित वेतन के लाभ उठाएगा।
19. अध्ययन भता स्वीकृत होने कि शर्तें:
- (1) अध्ययन भता, सेवा के उस सदस्य को दिया जाएगा फीस भारत के बाहर अध्ययन पर जाने हेतु अध्ययन अवकाश स्वीकृत हो गया हो। तथा उसे निश्चित अवधि में निश्चित कोर्स का मान्यता प्राप्त संस्थान में अध्ययन करे या विशेष प्रकार के कार्य के निरीक्षण हेतु निश्चित प्रवास पर जाए तथा कोर्स के अध्ययन के अंत में परीक्षा में सम्मिलित हो।
- (2) जब सेवा के सदस्य को अवकाश वेतन के अतिरिक्त छात्रवृत्ति या वृतिका जो उह शासकीय या अशासकीय साधन से प्राप्त करे या उसे अंशकालिक कार्य का पारिश्रमिक लेने हेतु अनुमति दी गई हो, तब

- (क) यदि ऐसी छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक में से वह कीस जो सेवा का सदस्य छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक में से जमा करे को घटाकर शेष राशि दी जाएगी। यदि वह राशि प्रशिक्षण भते से अधिक है तो कोई अध्ययन भता देय नहीं होगा।
- (ख) यदि छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक की शुद्ध राशि अध्ययन भते से कम है तो इस अंतर की राशि, अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा देने कि स्वीकृति दी जाएगी।
- (3) सेवा के सदस्य को, उस अवधि का, जब वह अपनी सुविधा के लिए पढ़ाई रोक देता है, अध्ययन भता देय नहीं होगा:

परन्तु अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी या मिशन का प्रमुख एक समय में अधिकतम 14 दिन का अध्ययन भता यदि ऐसा अवरोध, बीमारी के कारण हो तो लेने की अनुमति दे सकते हैं।

- (4) निम्न शर्तों के अधीन अध्ययन के दौरान अवकाश कि संपूर्ण अवधि के लिए भी अध्ययन भते कि स्वीकृति दी जाएगी।
- (क) सेवा का सदस्य अवकाश के दौरान सरकार या अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी के निर्देश पर कोई विशेष कोर्स या प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करे ; या
- (ख) ऐसे निर्देश के अभाव में वह अवकाश स्वीकृत करने के लिए मिशन प्रमुख या सक्षम प्राधिकारी के सामने संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि उसने अवकाश के दौरान अपना अध्ययन जारी कर रखा है :

यह प्रावधान है कि यदि विश्रामावकाश अध्ययन कि समाप्ति पर हो तो अधिकतम 14 दिन का अध्ययन भता प्राप्त कर सकेगा।

- (5) सब अवधि समिलित कर अध्ययन भता अधिकतम 24 माह तक स्वीकृत हो सकेगा।

50. प्रशिक्षण भते की दरें:

सेवा के सदस्य को अध्ययन भते कि दरें, प्रत्येक मामले में उच्च न्यायालय द्वारा जैसे विशेष रूप से निर्धारित की जा सकती हैं, होंगी।

टिप्पणी: अध्ययन भते दी दरें किसी भी मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित की गई दरों से कम नहीं होंगी।

51. अध्ययन भते के भुगतान कि प्रक्रिया:

- (1) प्रशिक्षण भता तब ही देय होगा जब सेवा का सदस्य यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि उसे कोई आत्रवृत्ति, वृत्तिका या किसी पार्ट टाइम कार्य का कोई पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ है।
- (2) सेवा के सदस्य को प्रशिक्षण भता प्रत्येक माह के अंत में अस्थाई रूप से दे दिया जाएगा तथा सेवा के सदस्य से यह वचन पत्र लिया जाएगा कि उपस्थिति का प्रमाण पत्र न प्रस्तुत करने पर या अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को यह संतुष्ट न कर पाने पर कि जैस अवधि का अध्ययन भता लिया है उस अवधि में पूरा समय अध्ययन के उपयोग में लिया है या कोई अन्य अधिक भुगतान होने पर वह उसको वापस करेगा।
- (क) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में निश्चित कोर्स का अध्ययन करने पर या ऐसे देश जहां भारतीय मिशन नहीं है; प्रशिक्षण भता अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा भुगतान किया जाएगा। उस हेतु सेवा का सदस्य अपना बिल उपस्थिति प्रमाण पत्र सहित मिशन प्रमुख को प्रस्तुत करेगा।
- (ख) जब सेवा के सदस्य शैक्षणिक संस्थान में शिक्षा प्राप्त करता है तो अध्ययन भते के लिए के लिए आवश्यक भते के लिए आवश्यक उपस्थिति प्रमाणपत्र शैक्षणिक सत्र के अंत में प्राप्त होगा। अन्य संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने पर प्रति तीन माह के पश्चात उपस्थिति प्रमाणपत्र प्राप्त होगा।
- (क) जब अध्ययन कार्यक्रम स्वीकृत किया गया हो तब अध्ययन कार्यक्रम में इस प्रकार का अध्ययन शामिल या संपूर्ण रूप से शामिल न हो, तो सेवा का सदस्य अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को सीधे या मिशन प्रमुख के माध्यम से यह दर्शाते हुए कि उसने अपना समय कैसे व्यतीत किया एक डायरी और पढ़ी गई पढ़तियों और कार्यकलापों (ऑपरेशन) कि प्रकृति पूरी तरह प्रकट करने वाली एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें वह ऐसी पढ़तियों या कार्यकलापों को भारत कि परिस्थिति में अपनाने कि संभावना के लिए सुझाव शामिल करेगा।

(ख) अवकाश स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी डायरी एवं रिपोर्ट के अध्ययन के पश्चात यह निश्चित करेगा कि सेवा के सदस्य ने अपने समय का सदुपयोग किया है तथा उसे कितनी अवधि का अध्ययन भता दिया जाए।

52. अध्ययन भते के अतिरिक्त भता:-

- (1) सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश के पहले (180) दिवसों में, उस स्थान का, जहां से वह अध्ययन अवकाश पर गया है, उस स्थान हेतु समय-समय पर स्वीकृत दर से मकान किराया भता दिया जाएगा। 180 दिवसों के पश्चात मकान किराया वित मंत्रालय के कार्यालय जापन सं. 2 (37)-E-II (B)/ 64 दिनांक 27.11.1965 के पैरा 8 (d) के अनुसार एक प्रमाण पत्र कि प्रस्तुति (जैसा समय-समय पर संशोधित) के पश्चात दिया जाएगा।
- (2) सेवा के सदस्य को स्वीकृत अध्ययन अवकाश अवधि के दौरान उपनियम (1) के अंतर्गत मकान किराया, महंगाई भता, जहां स्वीकृत हो, के अतिरिक्त कोई अन्य भता देय नहीं होगा।

53. अध्ययन अवकाश के दौरान यात्रा भता:-

जिस सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश स्वीकृत हुआ हो उसे सामान्यतः यात्रा भता नहीं देय होगा परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों में राष्ट्रपति ऐसे भते के भुगतान को स्वीकृति दे सकता है।

54. अध्ययन हेतु फीस का भुगतान:-

जिस सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश स्वीकृत किया गया हो उस सामान्यतः फीस का भुगतान स्वयं करना होता है परन्तु कुछ अपवाद मामलों में उच्च न्यायालय फीस कि स्वीकृति का अनुमोदन कर सकता है।

प्रावधान है कि किसी भी स्थिति में सेवा के सदस्य को जिसे छात्रवृत्ति या वृत्तिका किसी भी स्रोत से मिलता है या अवकाश वेतन के अतिरिक्त अंशकालिक कार्य का पारिश्रमिक रखने कि अनुमति दी जाती है, को फीस का भुगतान नहीं किया जाएगा।

55. अध्ययन अवकाश के पूर्ण होने पर या अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण न होने के पश्चात त्यागपत्र या सेवानिवृत्ति:

- (1) यदि सेवा का सदस्य, अध्ययन अवकाश कि अवधि के बाद कार्य (ड्यूटी) पर वापस आए बिना अथवा कार्य पर वापस आने के तीन वर्ष की अवधि के पश्चात सेवा से त्यागपत्र देता या सेवानिवृत्त होता है अथवा अन्यथा सेवा छोड़ता है या अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण करने में विफल होता है और नियम 45 के उप-नियम (5) के अंतर्गत अपेक्षित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ होता है तो वह निम्नलिखित (धनराशि) वापस करेगा:-

(i) अवकाश वेतन की वास्तविक राशि, अध्ययन भत्ता, फीस कि राशि, यात्रा एवं अन्य व्यय, यदि कोई हो, भारत सरकार द्वारा उपनत किया गए हों; तथा

(ii) अध्ययन पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में, उसका त्यागपत्र स्वीकृत होने या सेवानिवृत होने कि अनुमति प्रदान होने अथवा अन्यथा उसके सेवा छोड़ने से पूर्व मांग कि तिथि से सरकारी ऋण पर उस समय प्रभावी दरों पर लागू ब्याज के साथ, विदेशी सरकार, प्रतिष्ठानों और न्यासों जैसी अन्य एजेंसियों द्वारा उपनत लागत कि वास्तविक राशि :-

बशर्ते कि सेवा का सदस्य जो अध्ययन के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में विफल रहा है, उसके सिवाए इस नियम कि कोई भी बात निम्न पर लागू नहीं कि जाएगी -

(क) सेवा के उस सदस्य पर जिसे अध्ययन अवकाश से कार्य पर वापसी के पश्चात चिकित्सकीय आधार पर सेवा से सेवानिवृति कि अनुमति दी जाती है।

(ख) सेवा के उस सदस्य पर जिसे अध्ययन अवकाश से कार्य पर उपस्थित होने के पश्चात शासन के नियंत्रण के अधीन किसी नियामक अथवा स्वायत्त संस्था अथवा संस्थान में, प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाता है तथा उसके बाद लोकहित में स्थाई रूप से उक्त नियामक अथवा स्वायत्त संस्था अथवा संस्थान में संविलयन हेतु शासन के अधीन सेवा से त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है।

2(क) ऐसे सेवा के सदस्य द्वारा उपभोग किए गए अध्ययन अवकाश को, उस तिथि को उसके खाते में जमा नियमित अवकाश में परिवर्तित किया जाएगा जब उसका अध्ययन अवकाश प्रारम्भ हुआ या अध्ययन अवकाश की निरंतरता में, इस उद्देश्य के लिए उचित रूप से समायोजित हुए लिया गया कोई अवकाश एवं अध्ययन की अवधि इस रेष, यदि कोई हो, जिसे इस प्रकार परिवर्तित नहीं किया जा सकता, असाधारण अवकाश के रूप में माजा जाएगा।

(ख) उपनियम (1) के अंतर्गत सेवा के सदस्य द्वारा वापस की जाने वाली राशि के अतिरिक्त, उसे अध्ययन अवकाश के परिवर्तन के कारण ग्राह्य अवकाश वेतन से अधिक कोई भी अधिक अवकाश वेतन जो वास्तव में आहरित किया गया है, वापस करना अपेक्षित होगा।

(3) इस नियम में कुछ भी होते हुए, राष्ट्रपति, यदि ऐसा करना आवश्यक अथवा समीचीन हो, लोकहित में अथवा प्रकरण अथवा प्रकरणों के वर्गों की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, आदेश के द्वारा, सेवाओं के सदस्य के वर्ग अथवा सम्बद्ध सेवा के सदस्य द्वारा उपनियम (1) के अंतर्गत वापस की जाने वाली अपेक्षित राशि को अदित्यज अथवा कम कर सकता है।

अध्याय VI

अवकाश वेतन एवं अवकाश का नकदीकरण

56. अवकाश वेतन :

- (क) उपार्जित अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उपार्जित अवकाश पर जाने के तुरंत पूर्व आहरित किये गए वेतन के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।
- (ख) अर्धवेतन अवकाश अथवा अदेय अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उपनियम(क) में विनिर्दिष्ट राशि के आधे के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।
- (ग) परिवर्तित अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उपनियम (क) के अंतर्गत ग्राह्य राशि के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।
- (घ) असाधारण अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को किसी भी अवकाश वेतन हेतु अधिकृत नहीं किया जाता है।
- (इ) विशेष निःशक्ता अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को 120 दिवसों की आरंभिक अवधि के सम्बन्ध में, उपनियम (क) के अनुसार अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जायेगा।
- (च) 120 दिवसों की आरंभिक अवधि से अधिक विशेष निःशक्ता अवकाश के सम्बन्ध में उपनियम (क) में विनिर्दिष्ट राशि के समान अवकाश वेतन सेवा के सदस्य को उसके विकल्प पर उसको देय उपार्जित अवकाश के दिवसों की संख्या तक सीमित अवधि हेतु प्रदान किया जा सकता है एवं ऐसे मामले में उपार्जित अवकाश खाता इस उपनियम के अंतर्गत प्रदान की गई अवकाश वेतन के दिवसों की संख्या के आधे से विकलित किया जाएगा।
- (छ) उपनियम (इ) एवं (च) के अंतर्गत न आने वाली किसी अवधि के सम्बन्ध में विशेष निःशक्ता अवकाश के दौरान अवकाश वेतन उपनियम (ख) में विनिर्दिष्ट दर से होगा।

- (ज) सेवा के सदस्य को पुनर्नियुक्ति की अवधि के दौरान उनके द्वारा उपार्जित अवकाश प्रदान किए जाने की स्थिति में, अवकाश वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृति लाभ तुल्य पेंशन को छोड़कर उनके द्वारा आहरित वेतन पर आधारित होगा।
- (झ) इन नियमों के अंतर्गत देय अवकाश वेतन भारतीय रूपयों में आहरित किया जायेगा।

57. सेवानिवृति, अनिवार्य सेवानिवृति अथवा सेवा त्यागने की तिथि के पश्चात अवकाश के बदले में अवकाश / नकद भुगतान :

(1) सेवा के सदस्य को निम्न तिथि के पश्चात अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा -

(क) उसकी सेवानिवृति की तिथि, अथवा

(ख) उसके अंतिम रूप से कार्यों को बंद करने की तिथि, अथवा

(ग) उसकी सेवा के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार उस तिथि के पश्चात जब वह शासन को नोटिस देकर सेवानिवृत्त होता है अथवा वह शासन द्वारा नोटिस या इसके बदले में वेतन एवं भत्ते देकर सेवानिवृत्त किया जाता है, अथवा

(घ) उसके सेवा से त्यागपत्र देने की तिथि।

(2) (क) जहाँ सेवा का सदस्य दिल्ली न्यायिक सेवा नियम, 1970 के नियम 31-ए के अंतर्गत अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सेवानिवृत्त होता है तो अवकाश प्रदान करने वाला सक्षम प्राधिकारी स्वप्रेरणा से सेवा के सदस्य की सेवानिवृत्ति की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश, यदि कोई हो, हेतु अधिकतम 300 दिवसों के अध्यधीन अवकाश वेतन के समान नकद राशि प्रदान करते हुए आदेश जारी करेगा।

(ख) खंड (क) के अंतर्गत समतुल्य राशि की गणना निम्नानुसार की जाएगी एवं यह एकमुश्त व्यवस्थापन के रूप में देय होगी।

इसमें आवास किराया भत्ता अथवा प्रतिकरात्मक (नगर) भत्ता देय नहीं होगा -

सेवानिवृति की तिथि को ग्राहा	सेवानिवृति की
समतुल्य = घेतन + उस तिथि को ग्राह्य महंगाई भत्ता X तिथि को खाते	
नकद राशि	30

में जमा अनुपयोजित
उपार्जित अवकाश के
दिवसों की संख्या,
अधिकतम 300 दिवसों
के अध्यधीन

(3) सेवा का सदस्य जो निलंबन के दौरान अथवा जिसके विरुद्ध अनुशासनात्मक अथवा आपराधिक कार्यवाही लंबित है, सेवानिवृति की आयु प्राप्त करने पर सेवा से सेवानिवृत होता है, के मामले में, अवकाश प्रदान करने वाला सक्षम प्राधिकारी उपार्जित अवकाश के समतुल्य नकद राशि के पूर्ण अथवा किसी भाग को रोक सकता है, यदि ऐसे प्राधिकारी की राय में उसके विरुद्ध कार्यवाही की समाप्ति पर कुछ राशि उससे वसूली योग्य होने की संभावना है। कार्यवाही की समाप्ति पर, वह इस प्रकार रोकी गई राशि को सरकारी देयों, यदि कोई हो, के समायोजन के पश्चात प्राप्त करने के योग्य होगा।

(4) (क) जहां लोक सेवा के हित में सेवा के सदस्य की सेवा उसकी सेवानिवृति की तिथि से आगे विस्तारित की गई हो तो उसे निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है -

(i) विस्तार की अवधि के दौरान, ऐसे विस्तार की अवधि के सम्बन्ध में देय कोई उपार्जित अवकाश, सेवानिवृति की तिथि को उसके खाते में जमा अधिकतम 300 दिवसों के अध्यधीन उपार्जित अवकाश सहित।

(ii) विस्तार की अवधि की समाप्ति के पश्चात, सेवानिवृति की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में उपनियम (2) में उपबंधित रीति के अनुसार समतुल्य नकद, विस्तार की अवधि के दौरान उपार्जित, अधिकतम 300 दिवसों के अध्यधीन, उपार्जित अवकाश जो ऐसी अवधि के दौरान उपभोग किये गए उपार्जित अवकाश से घटाए गए हों, के सहित।

(ख) इस उपनियम के खंड (क) के उपखंड (ii) के अंतर्गत देय समतुल्य नकद की गणना उपरोक्त उपनियम (2) के खंड (ख) में निर्दिष्ट रीति से की जायेगी।

(5) सेवा के सदस्य को, जो उपनियम (1) के खंड (ग) में वर्णित रीति से सेवानिवृत्त होता है अथवा सेवानिवृत्त है, अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से, अधिकतम 300 दिवसों के अध्यधीन, उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में अवकाश वेतन एवं उसके खाते में जमा सभी अर्धवेतन अवकाश के सम्बन्ध में भी समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है, बशर्ते यह अवधि, उसके सेवा से सेवानिवृत्त होने अथवा सेवानिवृत्त हो चुके होने की तिथि एवं उसकी सेवा को विनियमित करने वाली निबंधन एवं शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृत्ति हेतु निर्धारित आयु प्राप्त करने के पश्चात साधारण अनुक्रम में सेवानिवृत्त होने की तिथि के बीच की अवधि से अधिक न हो। समतुल्य नकद, उपार्जित अवकाश हेतु स्वीकार्य अवकाश वेतन के समान एवं/अथवा अर्धवेतन अवकाश हेतु स्वीकार्य अवकाश वेतन के समान, सेवा के सदस्य के सेवा से इस प्रकार सेवानिवृत्त होने अथवा सेवानिवृत्त हो चुके होने की तिथि को प्रवृत्त दरों से प्रथम 300 दिवसों हेतु अवकाश वेतन पर स्वीकार्य महंगाई भत्ता सहित, होगा। पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समतुल्य पेंशन एवं पेंशन पर तदर्थ अनुतोष/श्रेणीबद्ध अनुतोष को अर्धवेतन अवकाश की अवधि हेतु भुगतान किये गए अवकाश वेतन, यदि कोई हो, जिसके लिए समतुल्य नकद देय है, से घटा दिया जाएगा। इस प्रकार संगणित की गई राशि सकृत व्यवस्थापन के रूप में एकमुश्त दी जायेगी। आवास किराया भत्ता अथवा प्रतिकरात्मक (नगर) भत्ता देय नहीं होगा :

परन्तु यदि अर्धवेतन अवकाश घटक हेतु अवकाश वेतन, पेंशन एवं अन्य पेंशन लाभों से कम होता है तो अर्धवेतन अवकाश के समतुल्य नकद प्रदान नहीं किया जाएगा।

6 (क) (i) जहाँ सेवा के सदस्य की सेवाएँ नोटिस के द्वारा अथवा नोटिस के बदले में वेतन एवं भत्तों के द्वारा, अथवा अन्यथा उसकी नियुक्ति के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार, समाप्त की जाती हैं तो उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से उस तिथि को जब उसका सेवा में होना समाप्त होता हो, उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में अधिकतम 300 दिवसों के अध्यधीन समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(ii) यदि सेवा का सदस्य त्यागपत्र देता है अथवा सेवा को छोड़ता है तो उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा, स्वप्रेरणा से, सेवा के समाप्त होने की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में उसके खाते में जमा ऐसे अवकाश के आधे की सीमा तक, अधिकतम 150 दिवसों के अध्यधीन, समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(iii) सेवा का सदस्य जिसे सेवानिवृति के पश्चात पुनर्नियुक्त किया जाता है, उसकी पुनर्नियुक्ति की समाप्ति पर उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा, स्वप्रेरणा से, पुनर्नियुक्ति की समाप्ति को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में, उस अधिकों को सम्मिलित करते हुए जिसके लिए उसको सेवानिवृति के समय नकदीकरण अनुज्ञात किया गया था, अधिकतम 300 दिवसों के अध्याधीन, समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(ख) खंड (क) के अंतर्गत देय समतुल्य नकद की गणना उपनियम (2) के खंड (ख) में दी गयी रीति से की जायेगी तथा खंड (क) के उपखंड (3) के अंतर्गत समतुल्य नकद की संगणना के प्रयोजन हेतु, पुनः रोजगार की समाप्ति की तिथि पर वह वेतन, उस वेतन के लिए उपयुक्त महंगाई भत्ते सहित, देय होगा जो पेंशन के समायोजन तथा अन्य सेवानिवृति लाभों के समतुल्य पेंशन से पूर्व पुनः रोजगार के पद के वेतनमान में नियत किया गया है।

58. सेवा के दौरान मृत्यु के मामले में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद :

यदि सेवा का सदस्य सेवा के दौरान मृत्यु को प्राप्त होता है तो नियम 60 में विविरित रीती के अनुसार उसकी मृत्यु के दिवस तक के अवकाश वेतन के समतुल्य नकद राशि जिसे मृतक कर्मचारी उपार्जित अवकाश पर जाने कि स्थिति में प्राप्त करता, जो कि उसे देय एवं स्वीकार्य थी, उसके परिवार को मृत्यु सह सेवानिवृति घेच्युटी के समतुल्य पेंशन के कारण बिना किसी कटौती के अदा कर दी जायेगी। यह राशि 300 दिवसों के अवकाश वेतन से अधिक नहीं होगी।

59. सेवा के लिए असमर्थ होने के मामले में अवकाश वेतान के समतुल्य नकद :

सेवा का सदस्य जिसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा के लिए पूर्ण एवं स्थाई रूप से असमर्थ घोषित किया गया हो, उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से उसके सेवा से असमर्थ होने की तिथि को उसे देय एवं स्वीकार्य अवकाश के सम्बन्ध में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद दिया जाएगा, बरत्ते अवकाश की अधिक जिसके लिए उसे समतुल्य नकद प्रदान किया गया है, उस तिथि से आगे विस्तारित न होती हो जिस तिथि को वह उसकी सेवा को विनियमित करने वाली निबंधन एवं शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृति हेतु विहित आयु प्राप्त करने के पश्चात सामान्य क्रम में सेवानिवृत्त होता। इस प्रकार देय समतुल्य नकद नियम 57 के उपनियम (5) के अंतर्गत संगणित अवकाश वेतन के समान होगा।

60. सेवा के सदस्य की मृत्यु, आदि, की स्थिति में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद का भुगतान :

सेवा के सदस्य की सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के पश्चात अथवा अंतिम रूप से कार्यों की समाप्ति के पश्चात मृत्यु की दशा में, परन्तु नियम 57, 58, व 59 के अंतर्गत देय अवकाश वेतन के समतुल्य नकद की वास्तविक प्राप्ति के पूर्व, ऐसी राशि निम्न को देय होगी –

(i) विधवा को, एवं जहां एक से अधिक विधवाएँ हैं, यदि मृतक सेवा का सदस्य एक पुरुष है, तो सबसे बड़ी जीवित विधवा को अथवा यदि मृतक सेवा का सदस्य एक महिला है तो उसके पति को;

स्पष्टीकरण – अभिव्यक्ति “सबसे बड़ी जीवित विधवा” से तात्पर्य जीवित विधवाओं के विवाह की तिथि के अनुसार वरिष्ठता के सन्दर्भ में होगा, न कि उनकी आयु के सन्दर्भ में;

(ii) विधवा अथवा पति के अभाव में, जैसा भी मामला हो, सबसे बड़े जीवित पुत्र; अथवा गोद लिए पुत्र को;

(iii) उपरोक्त (i) एवं (ii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित अविवाहित पुत्री को;

(iv) उपरोक्त (i) से (iii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विधवा पुत्री को;

(v) उपरोक्त (i) से (iv) के अभाव में, पिता को;

(vi) उपरोक्त (i) से (v) के अभाव में, माता को;

(vii) उपरोक्त (i) से (vi) के अभाव में, 18 वर्ष से कम आयु के सबसे बड़े जीवित भाई को;

(viii) उपरोक्त (i) से (vii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित अविवाहित बहन को;

(ix) उपरोक्त (i) से (viii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विधवा बहन को;

(x) उपरोक्त (i) से (ix) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विवाहित पुत्री को; एवं

(xi) उपरोक्त (i) से (x) के अभाव में, सबसे बड़े पूर्व मृत पुत्र के सबसे बड़े बच्चे को।

61. केंद्र/राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः स्वामित्वाधीन अथवा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/स्वायत्त निकाय में स्थाई अंतर्लेयन के मामले में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद :

सेवा का सदस्य जिसे केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः नियंत्रित अथवा स्वामित्वाधीन कंपनी अथवा निगम अथवा ऐसी एक अथवा एक से अधिक सरकार द्वारा नियंत्रित अथवा वित्त-पोषित निकाय में अथवा उसके अंतर्गत सेवा में अथवा पद पर आमेलित

होने की अनुमति दी गई है, उसे उसकी अंतर्लयन की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के सम्बन्ध में अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से अवकाश वेतन के समतुल्य नकद, जो अधिकतम् 300 दिवसों के अध्यधीन होगा, प्रदान किया जाएगा। इसकी गणना उसी रीति से की जायेगी जैसा कि नियम 57 के उपनियम (2) के खंड (ख) में इंगित किया गया है।

62. अवकाश वेतन का अग्रिम :

सेवा का सदस्य जो ऐसी अवधि हेतु अवकाश पर जा रहा है जो 30 दिवसों से कम नहीं है, उसे एक मास के वेतन तक अवकाश वेतन एवं उस अवकाश वेतन पर स्वीकार्य भत्तों जो आय कर, भविष्य निधि, मकान किराया, अग्रिम की वसूली, आदि के कारण कटौतियों के अध्यधीन होगा, के स्थान पर अग्रिम हेतु अनुज्ञात किया जायेगा।

63. अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करते समय उपार्जित अवकाश का नकदीकरण :

(क) सेवा के सदस्य को अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करते समय उसके खाते में जमा कुल उपार्जित अवकाश में से दस दिवसों के उपार्जित अवकाश का नकदीकरण मंजूर किया जायेगा यदि -

(i) इस नियम के अंतर्गत ऐसे सदस्य के पूर्ण सेवाकाल के दौरान नकदीकरण किये गए कुल उपार्जित अवकाश 60 दिवसों से अधिक न होते हैं।

स्पष्टीकरण: अवकाशों के नकदीकरण की समान संख्या पति/पत्नी द्वारा भी उपभोग की जा सकती है, यदि कार्यरत हों।

(ii) अवकाश यात्रा छूट के दौरान उपार्जित अवकाश का उपभोग करने के उपरान्त सेवा के सदस्य के खाते में कम से कम 30 दिवसों का उपार्जित अवकाश शेष रहता हो।

(ख) उपनियम (क) के अंतर्गत उपार्जित अवकाश के नकदीकरण के मामले में स्वीकार्य राशि तत्समान अवक्ष वेतन के बराबर होगी।

स्पष्टीकरण: एल.टी.सी. का उपभोग करते समय 10 दिवसों तक के उपार्जित अवकाश के नकदीकरण का एल.टी.सी. पर जाते समय दिवसों की संख्या एवं अवकाश की प्रकृति से कोई सम्बन्ध नहीं होगा।

64. सेवा के दौरान अवकाश का नकदीकरण :

(क) सेवा का सदस्य उसकी सेवा के प्रतेयक दो वर्षों के उपरांत एक मास के समतुल्य वेतन के नकदीकरण का अधिकारी होगा;

- (ख) देय राशि दो वर्ष की खंड अवधि के अंतिम मास के लिए देय राशि के समान अवकाश बेतन होगी;
- (ग) इस नियम के अंतर्गत नकदीकरण किये गए उपार्जित अवकाश को सेवा के सदस्य द्वारा कुल नकदीकरण योग्य उपार्जित अवकाश में से अधिवर्षिता, त्यागपत्र अथवा मृत्यु, जैसी भी स्थिति हो, के समय नहीं काटा जाएगा।

अध्याय - VII

विविध

65. व्यक्तिगत मामलों में नियमों के उपबंधों का शिथिलीकरण :

जहां उच्च न्यायालय संतुष्ट होता है कि इन नियमों में से किसी का भी कार्यान्वयन सेवा के सदस्य को असम्यक कष्ट कारित करता है अथवा कारित किये जाने कि संभावना है, तो वह, ऐसा करने के कारणों को अभिलिखित करने के उपरान्त एवं इन नियमों में किसी में कुछ भी अंतर्विष्ट होते हुए भी, ऐसे सदस्य के मामले को ऐसे ढंग से संव्यवहार करेगा जैसा कि उसे न्यायसंगत एवं साम्यपूर्ण प्रतीत हो :

परन्तु मामले को ऐसे किसी ढंग से संव्यवहार नहीं किया जाएगा जो ऐसे सदस्य के लिए कम अनुकूल हो, अपेक्षाकृत जैसा कि इन नियमों में विहित है।

66. व्याख्या :

यदि इन नियमों की व्याख्या से सम्बन्धित कोई प्रश्न उठता है तो वह उच्च न्यायालय द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

67. अवशिष्ट मामले :

अवकाशों से सम्बन्धित सभी ऐसे मामलों के सम्बन्ध में जिनके लिए इन नियमों में कोई उपबंध न हो अथवा अपर्याप्त उपबंध हों, तो समय-समय पर संशोधित केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम अथवा भारतीय संघ के मामलों से सम्बन्धित तत्समान पदों पर धारित सरकारी कर्मचारी के लिए जारी एवं उन पर लागू होने वाले आदेश अथवा निर्देश लागू होंगे।

प्रथम अनुसूची

[नियम 4 (ग) देखें]

अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी

क्रम संख्या (1)	अवकाश का प्रकार (2)	अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी (3)
1.	उपार्जित अवकाश, अर्धवेतन अवकाश, परिवर्तित अवकाश, अदेय अवकाश, प्रसूति अवकाश, पितृत्व अवकाश, शिशु अंगीकरण अवकाश, शिशु देखरेख अवकाश, आकस्मिक अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश, विशेष रुग्णता अवकाश, प्रतिकरात्मक अवकाश,	सम्बंधित जिला के जिला न्यायाधीश
2.	विशेष निर्योग्यता अवकाश, अध्ययन अवकाश, एवं असाधारण अवकाश	उच्च न्यायालय

द्वितीय अनुसूची

[नियम 4 (छ) देखें]

प्ररूप 1

[नियम 13 देखें]

अवकाश अथवा अवकाश विस्तार हेतु आवेदन

1. आवेदक का नाम
2. धारित पद
3. पदस्थापना का स्थान
4. आवेदित अवकाश की प्रकृति एवं अवधि तथा तिथि जब से अपेक्षित हो

5. अवकाश के साथ प्रस्तावित
होने वाले पूर्य-योजित/पश्च-योजित
रविवार एवं अवकाश, यदि कोई हो
6. आवेदित अवकाश हेतु आधार
7. अवकाश अवधि के दौरान पता

आवेदक के हस्ताक्षर

(तिथि सहित)

8. नियंत्रक अधिकारी की टिप्पणियां एवं/अथवा अनुशंसा

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

अवकाश की ग्राहता से सम्बंधित प्रमाणपत्र

9. प्रमाणित किया जाता है कि दिल्ली न्यायिक सेवा नियम (अवकाश), 2011 के नियम
..... के अंतर्गत (अवधि) दिनांक से
..... तक का (अवकाश की प्रकृति) ग्राह्य है।

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

10. अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेश

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

प्ररूप 2

[नियम 13 देखें]

एल.टी.सी. का उपभोग करते समय अवकाश अथवा अवकाश के
आवेदन

विस्तार हेतु

1. आवेदक का नाम
2. धारित पद
3. पदस्थापना का स्थान

4. वेतन
5. आवेदित अवकाश की प्रकृति एवं अवधि तथा तिथि जब से अपेक्षित हो
6. अवकाश के साथ प्रस्तावित होने वाले पूर्व-योजित/पश्च-योजित रविवार एवं अवकाश, यदि कोई हो
7. आवेदित अवकाश हेतु आधार
8. आगामी अवकाश के दौरान खंड वर्ष हेतु में स्वयं अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करने का प्रस्ताव करता हूँ
9. अवकाश अवधि के दौरान पता

आवेदक के हस्ताक्षर
(तिथि सहित)

10. नियंत्रक अधिकारी की टिप्पणियाँ एवं/अथवा अनुशंसा

हस्ताक्षर (तिथि सहित)
पदनाम

अवकाश की ग्राह्यता से सम्बंधित प्रमाणपत्र

11. प्रमाणित किया जाता है कि केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के नियम के अंतर्गत (अवधि) दिनांक से तक का (अवकाश की प्रकृति) ग्राह्य है।

हस्ताक्षर (तिथि सहित)
पदनाम

12. अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेश

हस्ताक्षर (तिथि सहित)
पदनाम

प्रस्तुप ३ [नियम १४ देखें] अद्यकाश लेखा का प्रस्तुप

सुरक्षारी कर्मचारी का नाम

..... आयीवत्/स्थाई दिशेज्ञ के विशि

संयोजित / व्याख्या की विशि

(परिचित अवकाश एवं अदेय अवकाश को सम्मिलित करते हुए निजी कार्यकलाप पर एवं चिकित्सा प्रमाण पत्रों पर)

तिथा ग्रन्थ	पूर्ण योग्यता पर चिकित्सा प्रकाण पत्र पर परिवर्तित अवकाश	जननहित में प्रकाणित होने वाले अंद्रयन्न लेतु बिना चिकित्सा प्रकाण पत्र के परिवर्तित अवकाश (सम्पूर्ण सेवा काल में 90 दिवसों का परिवर्तित अवकाश में संपर्यवर्तित 180 दिवसों का अर्थवर्तित अवकाश तक सीमित)	चिकित्सा प्रकाण पत्र पर दिवसी तक सीमित हो से अन्यथा	सम्पूर्ण सेवा में 360 दिवसों तक सीमित अदेय अवकाश
टिप्पणी 1 :	दूसरे उपायों की दिवसों में अस्तित्वक किया जाना चाहिए			
20	21	22	23	24
				25
				26
				27
				28
				29
				30
				31
				32
				33
				34
				35
				36

टिप्पणी 1 : देव उपराजित अवकाश को दियमान में भवित्वाक लिए

टिप्पणी 2 : जब शासकीय कर्मचारी को किसी विशेष अधिकार के अनुकूल के दौरान आप अपना प्राप्त होता है। उसके बाद वह अपने दिवस तक पारंपरिक रूप से एवं एक दिवस का भाग नियन्त्रित दिवस तक पारंपरिक रूप से होगा।

टिप्पणी ३ : स्ट्रंग ११ में प्रविष्टियाँ पूर्ण दिवसों में होती चाहिए। एक दिवस का ~~अ~~
टिप्पणी ४ : असाधारण अवकाश की अवधि लाल स्थानी से लोट की जानी चाहिए

प्रृष्ठ 4

[नियम 17 देखें]

सेवा के सदस्य हेतु चिकित्सा प्रमाण पत्र अनुशंसित
अवकाश अथवा अवकाश का विस्तार अथवा अवकाश का परिवर्तन

सेवा के सदस्य का हस्ताक्षर

मैं, मामले के सावधानीपूर्वक व्यक्तिगत परीक्षण के पश्चात्, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती/कुमारी जिनके हस्ताक्षर ऊपर दिए गए हैं, से पीड़ित हूँ एवं मेरा विचार है कि दिनांक से कार्य से अनुपस्थिति की अवधि उनके स्वास्थ्य सुधार हेतु परम आवश्यक है।

दिनांक

प्राधिकृत चिकित्सा व्यवसायी

प्रृष्ठ 5

[नियम 23 (3) देखें]

कार्य में वापसी हेतु स्वास्थ्य का चिकित्सा प्रमाण पत्र

सेवा के सदस्य के हस्ताक्षर

मैं, पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मैंने श्री/श्रीमती/कुमारी जिनके हस्ताक्षर ऊपर दिए हैं, का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया है, एवं पाया कि वह अपनी बीमारी से स्वस्थ हो चुके हैं एवं अब शासकीय सेवा में कार्यों के पुनर्ग्रहण हेतु योग्य हैं। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि इस निर्णय पर पहुँचने से पूर्व मैं मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र (ओं) एवं [मामले के विवरण (ओं) (अथवा उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि) (यदि कोई हो)] जिस पर अवकाश प्रदान किया गया था अथवा विस्तारित किया गया था एवं अपने निर्णय पर पहुँचने में इनको विचार में ले चुका हूँ।
दिनांक

प्राधिकृत चिकित्सा व्यवसायी

टिप्पणि- उपरोक्त प्रमाण पत्र को जारी करने हेतु अपेक्षित प्राधिकारी के समक्ष मामले के मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र (ओं) एवं विवरण (ओं) जिन पर अवकाश मूल रूप से प्रदान किया गया था अथवा विस्तारित किया गया था, प्रस्तुत किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए मामले के मूल प्रमाण पत्र (ओं) एवं विवरण (ओं) को दो प्रतियों में तैयार किया जाना चाहिए, एक प्रति संबद्ध सेवा के सदस्य द्वारा प्रतिधारित करते हुए की जाये।

प्रश्न 6

[नियम 45 देखें]

**सेवा के सदस्य द्वारा निष्पादित किया जाने वाला बंध पत्र
जब वह अध्ययन अवकाश पर जा रहा हो**

इस विलेख द्वारा सर्वसाधारण को जात हो कि मैं, नियासी जिला वर्तमान में दिल्ली न्यायाधिक सेवा में के पद पर नियोजित, एतद्वारा स्वयं को एवं अपने उत्तराधिकारियों, निष्पादकों, एवं प्रशासकों को भारत के राष्ट्रपति (एतत्पश्चात् 'सरकार' कहा जाए) को मांग पर राशि रु. (रुपये मात्र) उस पर ब्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान हेतु आबद्ध करता हूँ, यदि भुगतान भारत के आलावा अन्य देश में किया जाता है तो भारत एवं उस देश के मध्य शासकीय विनिमय दर पर परिवर्तित उस देश की मुद्रा में कथित राशि के समतुल्य एवं न्यायवादी एवं कक्षीकार के मध्य सभी शुल्कों एवं सभी प्रभारों एवं व्यय जो सरकार के द्वारा उपगत किये जायेंगे अथवा किये जा चुके हों के सहित।

जबकि मुझे सरकार द्वारा अध्ययन अवकाश स्वीकृत किया गया है।

एवं जबकि सरकार के और अधिक संरक्षण हेतु मैं इस बंध पत्र को ऐसी शर्तों के साथ निष्पादित करने हेतु सहमत हूँ जैसी कि निम्नलिखित हैं :

अब उपरिलिखित बाध्यता की शर्त यह है कि मेरे कार्य के पुनर्ग्रहण करने में असफल होने, अथवा सेवा से त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्त होने अथवा अध्ययन अवकाश की

अवधि के समाप्त अथवा अंत होने के पश्चात् कार्य में वापस आए बिना सेवा को अन्यथा छोड़ देने अथवा अध्ययन के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में असफल होने अथवा मेरे कार्य में वापस आने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि के भीतर किसी भी समय, की स्थिति में मैं सरकार को अथवा सरकार द्वारा जैसा निर्देशित हो मांग पर कथित राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर व्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान करूँगा।

एवं मेरे द्वारा ऐसा भुगतान करने पर, उपरिलिखित बाध्यताएं शून्य एवं प्रभावहीन होंगी, अन्यथा यह पूर्णतः प्रवृत्त एवं बलशील होंगी।

बंध पत्र सभी प्रकार से तत्समय प्रवृत्त भारत की विधि के द्वारा शासित किया जाएगा तथा जहाँ आवश्यक हो, भारत में समुचित व्यायालयों द्वारा अधिकारों एवं दायित्वों के अधीन तदनुसार अवधारित किया जाएगा।

इसे दिवस माह वर्ष दो हजार को हस्ताक्षरित एवं दिनांकित किया गया।

..... के द्वारा

हस्ताक्षरित एवं परिदृश्य

साक्ष्यों : 1

2

की उपस्थिति में

भारत के राष्ट्रपति के निमित्त एवं उनकी ओर
से स्वीकृत

प्रृष्ठ 7

[नियम 45 देखें]

सेवा के सदर्श्य द्वारा निष्पादित किया जाने वाला बंध पत्र

जब उनको अध्ययन अवकाश का विस्तार प्रदान किया गया हो

इस विलेख द्वारा सर्वसाधारण को जात हो कि मैं निवासी जिला वर्तमान में दिल्ली न्यायिक सेवा में के पद पर नियोजित, एतद्वारा स्वयं को एवं अपने उत्तराधिकारियों, निष्पादकों एवं प्रशासकों को भारत के राष्ट्रपति (एतत् पश्चात् 'सरकार' कहा जाए) को मांग पर राशि रु. (रुपये मात्र) उस पर व्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी क्रूणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान हेतु आबद्ध करता हूँ, यदि भुगतान भारत के आलावा अन्य देश में किया जाता है तो भारत एवं उस देश के मध्य शासकीय विनिमय दर पर परिवर्तित उस देश की मुद्रा में कथित राशि के समतुल्य एवं न्यायवादी एवं कक्षीकार के मध्य सभी शुल्कों एवं सभी प्रभारों एवं व्यय जो सरकार के द्वारा उपगत किये जायेंगे अथवा किये जा चुके हों के सहित।

जबकि मुझे सरकार द्वारा दिनांक से तक की अवधि हेतु अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया था जिसके प्रतिफलस्वरूप मैंने भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में रु. (रुपए मात्र), दिनांक का बंध पत्र निष्पादित किया है।

एवं जबकि मेरी प्रार्थना पर मुझे तक अध्ययन अवकाश का विस्तार प्रदान किया गया है।

एवं जबकि सरकार के और अधिक संरक्षण हेतु मैं इस बंध पत्र को ऐसी शर्तों के साथ निष्पादित करने हेतु सहमत हूँ जैसी कि निम्नलिखित हैं :

अब उपरिलिखित बाध्यता की शर्त यह है कि मेरे कार्य के पुनर्ग्रहण करने में असफल होने, अथवा सेवा से त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्त होने अथवा अध्ययन अवकाश की अवधि के समाप्त अथवा अंत होने के पश्चात् कार्य में वापस आए बिना सेवा को अन्यथा छोड़ देने अथवा अध्ययन के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में असफल होने अथवा मेरे कार्य में वापस आने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि के भीतर किसी भी समय, की स्थिति में मैं सरकार को अथवा सरकार द्वारा जैसा निदेशित हो मांग पर कथित राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर ब्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान करूँगा।

एवं मेरे द्वारा ऐसा भुगतान करने पर, उपरिलिखित बाध्यताएं शून्य एवं प्रभावहीन होंगी, अन्यथा यह पूर्णतः प्रवृत्त एवं बलशील होंगी।

बंध पत्र सभी प्रकार से तत्समय प्रवृत्त भारत की विधि के द्वारा शासित किया जाएगा तथा जहाँ आवश्यक हो, भारत में समुचित न्यायालयों द्वारा अधिकारों एवं दायित्वों के अधीन तदनुसार अवधारित किया जाएगा।

इसे दिवस माह वर्ष दो हजार को हस्ताक्षरित एवं दिनांकित किया गया।

..... के द्वारा

हस्ताक्षरित एवं परिदत्त

साक्ष्यों : 1

2

की उपस्थिति में

भारत के राष्ट्रपति के निमित्त एवं उनकी ओर
से स्वीकृत

परिशिष्ट -1

आकस्मिक अवकाश प्रदानित करने के सन्दर्भ में नियम

आकस्मिक अवकाश छुट्टी का मान्यता प्राप्त रूप नहीं होता और सेवा के सदस्य हेतु बनाए गए किसी नियम के अध्यधीन नहीं आता। आकस्मिक अवकाश पर गया पदधारी अपने कार्यकाल में अनुपस्थित नहीं समझा जाता और उसका अवकाश बेतन नहीं रुकता।

1. आकस्मिक अवकाश विशेष आकस्मिक अवकाश एवं प्रावकाश मास के दौरान अनुज्ञय अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है परन्तु किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ नहीं।
 2. यह पद ग्रहण समय के साथ संयोजित नहीं किया जा सकता।
 3. आकस्मिक अवकाश की कालावधि में आने वाले रविवार एवं छुट्टियाँ आकस्मिक अवकाश के अंग के तौर पर नहीं गिनी जाती।
 4. रविवार/सार्वजनिक अवकाश/निबंधित अवकाश/साप्ताहिक अवकाश आकस्मिक अवकाश के आगे या पीछे जोड़े जा सकते हैं।
 5. प्रवास पर रहते हुए आकस्मिक अवकाश लिया जा सकता है परन्तु इस कालावधि हेतु दैनिक भत्ता ब्राह्म नहीं होगा।
 6. आकस्मिक अवकाश आधे दिन के लिए भी लिया जा सकता है।
 7. अल्पकालिक कालावधि हेतु आशयित यह किसी समय पांच दिनों से अधिक के लिए साधारण रूप से प्रदानित नहीं किया जा सकता।
 8. एल.टी.सी. का उपभोग आकस्मिक अवकाश के दौरान किया जा सकता है।
 9. सेवा का एक सदस्य कैलेंडर वर्ष के दौरान बारह आकस्मिक अवकाश का हफदार होगा।
 10. मध्य वर्ष में पद ग्रहण करने वाले अधिकारी अनुपाततः अथवा सक्षम प्राधिकारी के विवेकाधिकार पर पूर्ण कालावधि आकस्मिक अवकाश का उपभोग कर सकते हैं।
- टिप्पणी:-** समस्त कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाश का लेखा उपाबधित प्राप्ति में अनुरक्षित किया जाएगा।

अनुलग्नक

जिला.....वर्ष.....हेतु आकस्मिक अवकाश लेखा

क्रम संख्या	नाम	लिए गए आकस्मिक अवकाश (तिथियाँ) 1 2 3	टिप्पणियाँ
		4 5 6 7 8 9 10 11 12	

अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश

- (i) किसी आवश्यक निजी कार्य के कारण सेवा के सदस्य को अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश पूर्वाहन अथवा अपराह्न कार्यकाल हेतु प्रदान किया जा सकता है।
- (ii) दोपहर भोजनावकाश विभाजन रेखा होगी अर्थात् वह व्यक्ति जो पूर्वाहन कार्यकाल हेतु अर्धदिवसीय आकस्मिक अवकाश पर जाए वह दो बजे सायं आने हेतु अपेक्षित होगा। इसी प्रकार जो व्यक्ति अपराह्न कार्यकाल हेतु अवकाश पर जाए तो उसे 1:30 बजे सायं कार्यकाल छोड़ने की अनुमति दी जा सकती है (1:30 बजे सायं से 2:00 बजे दोपहर भोजनावकाश होता है)।
- (iii) अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश पूरे दिन के आकस्मिक अवकाश के साथ दिया जा सकता है, परन्तु यह एक समय सामान्यतः अधिकतम आकस्मिक अवकाश प्रदान किये जाने के अध्यधीन होगा।

देर से आने के कारण अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश विकलित किया जाना:- सभी पालन प्रवतित कराने एवं कार्य के दक्ष तथा तत्पर संव्यवहार को सुनिश्चित करने हेतु सेवा के सदस्य के आकस्मिक अवकाश लेखा से हर बार देर से आने पर एक अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश विकलित कर लिया जाएगा परन्तु मास में दो अवसरों पर घंटा भर लेट होना सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त किया जा सकता है।

टिप्पणि:- ये संशोधन राजपत्र में अपने प्रकाशन होने की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

न्यायालय के आदेशानुसार,
बी.पी. वैश्य, महानिबंधक

HIGH COURT OF DELHI : NEW DELHI**NOTIFICATION**

New Delhi, the 12th January, 2012

No. 43/Rules/DHC.—In exercise of powers conferred under Article 235 of the Constitution of India and Section 47 of the Punjab Courts Act, 1918, the High Court of Delhi hereby makes the following Rules, in respect of Leave of Members of Delhi Judicial Service :

Delhi Judicial Service (Leave) Rules, 2011**CHAPTER -I****Preliminary****1. Short Title :**

These Rules may be called Delhi Judicial Service (Leave) Rules, 2011.

2. Commencement :

These Rules will come into force from the date they are notified by the High Court of Delhi.

3. Extent of application :

These Rules shall apply to officers appointed to Delhi Judicial Service.

4. Definitions :

Unless the context otherwise requires :—

- (a) “*Accounts Officer*” means the officer, whatever his official designation, in whose District the office of the Member of the Service is situated;
- (b) “*Administrator*” means the Administrator appointed under Article 239 of the Constitution of India for the Union Territory of Delhi;
- (c) “*Authority competent to grant leave*,” means the authority specified in Column (3) of the First Schedule to these rules, competent to grant the kind of leave specified in the corresponding entries in Column (2) of the said Schedule;

- (d) "*Date of retirement*" or "*date of his retirement*" in relation to a Member of the Service, means the afternoon of the last day of the month in which a Member of the Service attains the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his services.
- (e) "*District Judge*" means the District Judge of the concerned district in which the Member of the Service is posted;
- (f) "*Duty*" means duty as a Member of the Service and includes:-
(i) service as probationer;
(ii) such other periods as the High Court may, by general or special order, declare as 'duty';
- (g) "*Form*" means a Form appended to the Second Schedule to these rules;
- (h) "*Government*" means Government of National Capital Territory of Delhi.
- (i) "*High Court*" means "High Court of Delhi".
- (j) "*Leave*" means and includes earned leave, half pay leave, commuted leave, leave not due, extraordinary leave, study leave, special disability leave, maternity leave, paternity leave, special casual leaves, child care leave or any other authorized leave of absence.
- (k) "*Leave Salary*" means the monthly amount admissible to a Member of the Service who has been granted leave under these rules.
- (l) "*Member of the Service*" means a person appointed to the service under the provisions of Delhi Judicial Service Rules, 1970.
- (m) "*Month*" means a calendar month.
- (n) "*Service*" means the Delhi Judicial Service constituted under section 3 of the Delhi Judicial Service Rules, 1970.
- (o) "*Vacation Department*" means a department or part of a department, to which regular vacations are allowed, during which Government servants serving in the department are permitted to be absent from duty.
- (p) "*Vacation Month*" means a period of 30 days, as declared by the High Court, to be the month of vacation for the Members of the Service in any given calendar year.

- (q) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Fundamental Rules and Supplementary Rules.

CHAPTER II

General Conditions

5. Vacation Department:

The Delhi Judicial Service shall belong to Vacation Department wherein the Members of the Service shall be allowed regular vacations for a period of 30 days during any given calendar year.

6. Right to leave:

(1) Leave cannot be claimed as of right.

(2) When the exigencies of service so require, leave of any kind may be refused or revoked by the authority competent to grant it, but it shall not be open to that authority to alter the kind of leave due and applied for except at the written request of a Member of the Service.

7. Regulation of claim to leave:

A Member of the Service's claim to leave is regulated by the rules in force at the time the leave is applied for and granted.

8. Effect of dismissal, removal or resignation on leave at credit:

(1) Except as provided in Rule 57 and this rule, any claim to leave to the credit of a Member of the Service, who is dismissed or removed or who resigns from government service, ceases from the date of such dismissal or removal or resignation.

(2) Where a Member of the Service applies for another post under the Government of India or under Government of NCT of Delhi but outside his parent department and if such application is forwarded through proper channel and the applicant is required to resign his post before taking up the new one, such resignation shall not result in the lapse of the leave to his credit.

(3) A Member of the Service, who is dismissed or removed from service and is reinstated on appeal or revision, shall be entitled to count for leave his service prior to dismissal or removal, as the case may be.

(4) A Member of the Service, who having retired on compensation or invalid pension or gratuity is re-employed and allowed to count his past service for pension, shall be entitled to count his former service towards leave.

9. Commutation of one kind of leave into another:

(1) At the request of a Member of the Service, the authority which granted him leave may commute it retrospectively into leave of a different kind which was due and admissible to him at the time the leave was granted, but a Member of the Service cannot claim such commutation as a matter of right.

Provided that no such request shall be considered unless received by such authority, or any other authority designated in this behalf, within a period of 30 days of the concerned Member of the Service joining his duty on the expiry of the relevant spell of leave availed of by him.

(2) The commutation of one kind of leave into another shall be subject to adjustment of leave salary on the basis of leave finally granted to a Member of the Service, that is to say, any amount paid to him in excess shall be recovered or any arrears due to him shall be paid.

NOTE- Extraordinary leave granted on medical certificate or otherwise may be commuted retrospectively into leave not due subject to the provisions of Rule 29.

10. Combination of different kinds of leave:

Except as otherwise provided in these rules, any kind of leave under these rules may be granted in combination with or in continuation of any other kind of leave.

Explanation—Casual leave which is not recognized as leave under these rules shall not be combined with any other kind of leave admissible under these rules except with special casual leaves.

However, it may be possible, in some cases, that an officer has only half a day's casual leave to his credit and he avails of said casual leave in the afternoon and is unable to resume duty on the next working day, because of unexpected illness, or on some other compelling grounds and is thus constrained to take leave for that day. In such a circumstance he may be permitted by the competent authority to combine half a day's casual leave with regular leave if his absence on the next working day was due to sickness or on other compelling grounds. The officers who have however already applied for leave of the kind due and admissible to cover their absence for the subsequent working day and thereafter should not be allowed the last half a day's casual leave for the afternoon.

11. Maximum amount of continuous leave:

(a) No Member of the Service shall be granted leave of any kind for a continuous period exceeding five years.

(b) Unless the High Court in view of the special circumstances of the case, determines otherwise, a Member of the Service who remains absent from duty for a continuous period exceeding five years whether with or without leave, shall be deemed to have resigned from the service.

Note: Provided that a reasonable opportunity to explain the reason for such absence shall be given to a Member of the Service before the provisions of sub rule (b) are invoked.

12. Acceptance of service or employment while on leave:

(1) A Member of the Service while on leave, including leave preparatory to retirement shall not take up any service or employment elsewhere, including the setting up of a private professional practice as an Advocate, without obtaining the previous sanction of :

(a) the President, if the proposed services or employment lies elsewhere than in India; or

(b) the authority empowered to appoint him, if the proposed service or employment lies in India.

(2) (a) No Member of the Service while on leave, other than leave preparatory to retirement shall ordinarily be permitted to take up any other service or employment.

(b) If grant of such permission is considered desirable in any exceptional case, Member of the Service may have his services transferred temporarily from his parent office to the office in which he is permitted to take up service or employment or may be required to resign his appointment before taking up any other service or employment.

(c) A Member of the Service while on leave preparatory to retirement shall not be permitted to take up private employment. He may, however, be permitted to take up employment with a Public Sector Undertaking or a body controlled or financed by the government and in that event also leave salary payable for leave preparatory to retirement shall be the same as admissible under Rule 56.

(3) (a) In case a Member of Service who has proceeded on leave preparatory to retirement is required, before the date of retirement for employment during such leave in any post under the Central Government in or outside India or with Government of NCT of Delhi and is agreeable to return to duty, the unexpired portion of the leave from the date of rejoining shall be cancelled.

(b) The leave so cancelled under Clause (a) shall be allowed to be encashed in the manner provided in sub-rule (2) of Rule 57.

CHAPTER III

Grant of and Return from Leave

13. Application for leave:

Any application for leave or for extension of leave shall be made in Form 1 or Form 2, as applicable, to the authority competent to grant leave.

14. Leave Account:

A leave account shall be maintained in Form 3 by the Accounts Officer in the office of the District Judge in respect of every Member of the Service.

NOTE—The District Judge shall send a monthly statement of leave account of every Member of the Service to the High Court by the 10th day of every succeeding month.

15. Verification of title to leave:

(1) No leave shall be granted to a Member of the Service until a report regarding its admissibility has been obtained from the authority maintaining the leave account.

NOTE—The order sanctioning leave shall indicate the balance of earned leave/half pay leave at the credit of a Member of the Service.

(2) (a) Where there is reason to believe that the obtaining of admissibility report will be unduly delayed, the authority competent to grant leave may calculate, on the basis of available information, the amount of leave admissible to a Member of the Service and issue provisional sanction of leave for a period not exceeding sixty days;

(b) The grant of leave under this sub-rule shall be subject to verification by the authority maintaining the leave account and a modified sanction for the period of leave may be issued, where necessary.

16. Leave not to be granted in certain circumstances:

Leave shall not be granted to a Member of the Service whom a competent punishing authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from government service.

17. Grant of leave on medical certificate

An application for leave on medical certificate made by any Member of the Service shall be accompanied by a medical certificate as per Form 4 given by an Authorised Medical Practitioner.

Explanation: (1) Authorized Medical Practitioner shall mean a person who is authorised to practice medicine under any government approved system of medicine;

(2) An Authorised Medical Practitioner shall not recommend the grant of leave in any case in which there appears to be no reasonable prospect that Member of the Service concerned will ever be fit to resume his duties and in such case, the opinion that Member of the Service is permanently unfit for government service shall be recorded in the medical certificate.

(3) The authority competent to grant leave may, at its discretion, secure a second medical opinion by requesting a Government Medical Officer not below the rank of a Civil Surgeon or Staff Surgeon, to have the applicant medically examined on the earliest possible date.

(4) It shall be the duty of the Government Medical Officer referred to in sub-rule (3) to express an opinion both as regards the facts of the illness and as regards the necessity for the amount of leave recommended and for that purpose may either require the applicant to appear before himself or before a Medical Officer nominated by himself.

(5) The grant of medical certificate under this rule does not in itself confer upon a Member of the Service concerned any right to leave; the medical certificate shall be forwarded to the authority competent to grant leave and orders of that authority awaited.

(6) The authority competent to grant leave may, in its discretion, waive the production of a medical certificate in case of an application for leave for a period not exceeding three days at a time. Such leave shall not, however, be treated as leave on medical certificate and shall be debited against leave other than leave on medical grounds.

18. Leave to a Member of the Service who is unlikely to be fit to return to duty

(1)(a) When a Medical Authority has reported that there is no reasonable prospect that a Member of the Service will ever be fit to return to duty, leave shall not necessarily be refused to such a Member of the Service.

(b) The leave may be granted, if due, by the authority competent to grant leave on the following conditions:-

(i) if the Medical Authority is unable to say with certainty that a Member of the Service will never again be fit for service, leave not exceeding twelve months in all may be granted and such leave shall not be extended without further reference to a Medical Authority;

(ii) if a Member of the Service is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service, leave or an extension of leave may be granted to him after the report of the Medical Authority has been received,

provided the amount of leave as debited to the leave account together with any period of duty beyond the date of the report of the Medical Authority does not exceed six months.

(2) A Member of the Service who is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service shall –

- (a) if he is on duty, not be invalidated from service during his service period;
- (b) if he is already on leave, not be invalidated from service on the expiry of that leave or extension of leave, if any, granted to him under sub-rule (1).

19. Commencement and termination of leave:

Except as provided in Rule 20, leave ordinarily begins on the day on which the transfer of charge is effected and ends on the day preceding that on which the charge is resumed.

20. Combination of holidays with leave:

(1)(i) When the day, immediately preceding the day on which a Member of the Service's leave (other than leave on medical certificate) begins or immediately following the day on which his leave expires, is a holiday or one of series of holidays, a Member of the Service shall be deemed to have been permitted (except in cases where for administrative reasons permission for prefixing/suffixing holidays to leave is specifically withheld) to leave his station at the close of the day before, or return to it on the day following such holiday or series of holidays.

(ii) In the case of leave on medical certificate–

(a) When a Member of the Service is certified medically unwell to attend office, holiday(s), if any, immediately preceding the day he is so certified shall be allowed automatically to be prefixed to leave and the holiday(s) if any, immediately succeeding the day he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave, and

(b) When a Member of the Service is certified medically fit for joining duty, holiday(s), if any, succeeding the day he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave

(2) Unless the authority competent to grant leave in any case otherwise directs--

(a) if holidays are prefixed to leave, the leave and any consequent rearrangement of pay and allowances take effect from the day after the holidays; and

(b) if holidays are suffixed to leave, the leave is treated as having terminated and any consequent rearrangement of pay and allowances takes effect from the day on which the leave would have ended if holidays had not been suffixed.

21. Grant of leave beyond the date of retirement or appointment as the member of Delhi Higher Judicial Service

No leave shall be granted to a Member of the Service beyond the date on which he retires from service under Rule 31A of Delhi Judicial Service Rules, 1970 or appointed as a member of Delhi Higher Judicial Service.

22. Recall to duty before expiry of leave:

(1) In case a Member of the Service is recalled to duty before the expiry of his leave, such recall to duty shall be treated as compulsory in all cases and the Member of the Service shall be entitled-

(a) if the leave from which he is recalled is in India, to be treated as on duty from the date on which he starts for the station to which he is ordered, and to draw -

(i) travelling allowance under rules made in this behalf for the journey; and

(ii) leave salary, until he joins his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty;

(b) if the leave from which he is recalled is out of India, to count the time spent on the voyage to India as duty for purposes of calculating leave, and to receive-

(i) leave salary, during the voyage to India and for the period from the date of landing in India to the date of joining his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty;

(ii) a free passage to India;

(iii) refund of his passage from India if he has not completed half the period of his leave by the date of leaving for India on recall or three months, whichever is shorter;

(iv) travelling allowance, under the rules for the time being in force, for travel from the place of landing in India to the place of duty.

23. Return from leave:

(1) A Member of the Service on leave shall not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority which granted him leave.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a Member of the Service on leave preparatory to retirement shall be precluded from returning to duty, save with the consent of the authority competent to appoint him to the post from which he proceeded on leave preparatory to retirement.

(3) A Member of the Service who has taken leave on medical certificate may not return to duty until he has produced a medical certificate of fitness in Form 5.

(4) (a) A Member of the Service returning from leave is not entitled, in the absence of specific orders to that effect, to resume as a matter of course the post which he held before going on leave.

(b) Such Member of the Service shall report his return to duty to the authority which granted him leave or to the authority, if any, specified in the order granting him the leave.

NOTE—A Member of the Service who had been suffering from Tuberculosis may be allowed to resume duty on the basis of fitness certificate which recommends light work for him.

24. Absence after expiry of leave:

(1) Unless the authority competent to grant leave extends the leave, a Member of the Service who remains absent after the end of leave is entitled to no leave salary for the period of such absence and that period shall be debited against his leave account as though it were half pay leave, to the extent such leave is due, the period in excess of such leave due being treated as extraordinary leave.

(2) Willful absence from duty after the expiry of leave renders a Member of the Service liable to disciplinary action.

CHAPTER IV

Kinds of Leaves due and admissible

25. Earned Leave for Members of Service in Vacation Department:

(1) A Member of the Service shall not be entitled to any earned leave in respect of duty performed in any year in which he avails himself of the full vacation.

(2) (a) In respect of any year in which a Member of the Service avails himself of a portion of the vacation, he shall be entitled to earned leave in such proportion as the number of days of vacation not taken bears to the full vacation.

Provided that no such leave shall be admissible to a Member of the Service not in permanent employ or quasi-permanent employ in respect of the first year of his service.

(b) The earned leave account of a Member of the Service shall be credited with earned leave in advance, in two instalments of 15 days each on the first day of January and July of the calendar year in anticipation of his not availing of the vacations during the Vacation Month.

Explanation 1: If in any case, a Member of the Service has availed of the vacation or a portion of the vacation then his earned leave account shall be suitably accounted for in the month immediately after the completion of Vacation Month.

Explanation 2: For the purpose of this rule, the term 'year' shall be construed not as meaning a calendar year in which duty is performed but as meaning twelve months of actual duty in a Vacation Department.

Note 1 – A Member of the Service entitled to vacation shall be considered to have availed himself of a vacation or a portion of a vacation unless he has been required by general or special order of a higher authority to forgo such vacation or portion of a vacation:

Provided that if he has been prevented by such order from enjoying more than fifteen days of the vacation, he shall be considered to have availed himself of no portion of the vacation.

Note 2 – When a Member of the Service proceeds on leave before completing a full year of duty, the earned leave admissible to him shall be calculated not with reference to the vacations which fall during the period of actual duty rendered before proceeding on leave but with reference to the vacation that falls during the year commencing from the date on which he completed the previous year of duty.

(3) Vacation may be taken in combination with or in continuation of any kind of leave under these rules and also with casual leaves.

26. Regulation of grant of Earned Leave in the account of a Member of the Service not having availed vacation or a portion of vacation:

(a) If a Member of the Service is appointed after the 1st of January of a Year, earned leave shall be credited to his leave account at the rate of 2½ days for each completed month of service which he is likely to render in a half-year of the calendar year in which he is appointed.

Explanation: If 1st January or 1st July is holiday and a member joins the service on the next working day, he shall be entitled to the full credit of leave

(b) The credit for the half-year in which a Member of the Service is due to retire or resign from service shall be afforded only at the rate of 2½ days per completed month in the half-year upto the date of retirement or resignation. If the leave already availed of is more than the credit, so due to him, necessary adjustment shall be made in respect of leave salary overdrawn, if any.

(c) The earned leave at the credit of a Member of the Service at the close of a half-year shall be carried forward to the next half-year subject to the condition that the earned leave so carried forward plus the credit for that half-year shall not exceed 300

days for which encashment has been allowed along with leave travel concession while in service or under Rule 57.

Explanation: In cases where the earned leave at credit on 1st January/1st July is 300 days or less but more than 285 days then an advance credit of 15 days earned leave will be made in the leave account. However, the resultant total will be shown as 300 + the number of days exceeding the ceiling of 300 days in brackets. The leave taken thereafter during the current half year will be first adjusted against the figure shown in the brackets in the leave account and at the end of the half year the balance will be shown as 300 + the number of days exceeding 300 days, if any, after adjusting the leave taken. Thus, while arriving at the total earned leave to be again credited at the beginning of the next half year the number of days shown in bracket shall be deducted from the total number of 15 days earned leave sought to be credited.

(d) When a Member of the Service is removed or dismissed from the service or dies while in service, credit of earned leave shall be allowed at the rate of 2½ days per completed month upto the end of the month preceding the month in which he is removed or dismissed from service or dies in service. Where the quantum of earned leave availed is in excess of the leave, the overpayment of leave salary shall be recovered in such cases.

(e) While affording credit under these rules, fraction of the day shall be rounded off to the nearest day.

(f) The maximum earned leave granted to a Member of the Service at a time shall be 180 days.

Provided that earned leave granted as preparatory to retirement shall be subject to a maximum of 300 days.

(g) Formal application of leave in Form A or Form B appended with these rules must always be submitted fifteen days in advance, unless prevented by exigencies completely unanticipated.

(h) If a Member of the Service has availed of extraordinary leave and/or some period of absence has been treated as *dies non* in a half-year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half-year shall be reduced by 1/10th of the period of such leave and/or *dies non* subject to maximum of 15 days.

27. Half Pay Leave:

(a) The half pay leave account of every Member of the Service shall be created with half pay leave in advance, in two instalments of ten days each on the first day of January and July of every calendar year.

(b) The leave shall be credited to the said leave account at the rate of 5/3 days for each completed month of service which he is likely to render in the half-year of the calendar year in which he is appointed.

(c) The credit for the half year in which a Member of the Service is due to retire or resign from the service shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed month up to the date of retirement or resignation.

(d) When a Member of the Service is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of half pay leave shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed month upto the end of the month preceding the month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.

(e) Where a period of absence or suspension of a Member of the Service has been treated as *dies non* in a half-year, the credit to be afforded to his half pay leave account at the commencement of next half-year, shall be reduced by one-eighteenth of the period of *dies non* subject to a maximum of ten days.

(f) The leave under this rule may be granted on medical certificate or on private affairs.

(g) While affording credit of half pay leave, fraction of a day shall be rounded off to the nearest day.

28. Commuted Leave:

(a) Commuted Leave not exceeding half the amount of half pay leave due may be granted on medical certificate to a Member of the Service subject to the condition that twice the amount of such leave shall be debitible to the half pay leave due.

(b) No commuted leave may be granted under this rule unless the Competent Authority has reason to believe that the Member of the Service will return to duty on its expiry.

Where a Member of the Service who has been granted commuted leave resigns from service or, at his request, is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the commuted leave shall be treated as half pay leave and the difference between leave salary in respect of commuted leave and half pay leave shall be recovered.

Provided that no such recovery shall be made if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the Member of the Service for further service or in the event of his death.

(c) Half pay leave upto a maximum of 180 days may be allowed to be commuted during the entire service where such leave is utilized for an approved course of study, certified to be in the interest of the Judiciary as an Institution, by the High Court.

Explanation: (1) Commuted leave may be granted at the request of a Member of the Service even when earned leave is due to him.

(2) Commuted leave shall be however granted only on production of medical/fitness certificate from an Authorized Medical Practitioner.

29. Leave Not Due:

(a) Save in case of leave preparatory to retirement, Leave Not Due may be granted to a Member of the Service limited to a maximum of 360 days during the entire service on medical certificate. However, in case of a female member, the leave may be granted without medical certificate provided leave should be in continuation of child care leave, maternity leave and adoption leave subject to the following conditions:

(i) Competent Authority is satisfied that there is reasonable prospect of a Member of the Service returning to duty on its expiry;

(ii) Leave Not Due shall be limited to the half pay leave he or she is likely to earn thereafter;

(iii) Leave Not Due shall be debited against the half pay leaves the Member of the Service may earn subsequently.

(b) (i) Where a Member of the Service who has been granted Leave Not Due resigns from service or at his request is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the Leave Not Due shall be cancelled from the date of his resignation or retirement takes effect on which such leave had commenced, and the leave salary shall be recovered.

(ii) Where a Member of the Service who having availed himself of Leave Not Due returns to duty but resigns or retires from service before he has earned such leave, he shall be liable to refund the leave salary to the extent the leave has not been earned subsequently:

Provided that no leave salary shall be recovered under sub-rule (a) or sub-rule (b) if the retirement is by reason of ill-health incapacitating a Member of the Service for further service or in the event of his death.

(iii) Where a Member of the Service is incapacitated during the continuation of the Leave Not Due or at the end of the period of Leave Not Due, he or she shall be considered to have retired from the date of the expiry of such Leave Not Due.

30. Extraordinary Leave:

(a) Subject to the maximum period of leaves which can be granted under Rule 11, extraordinary leave may be granted to a Member of the Service in the following circumstances, that is to say-

(i) when no other kind of leave is admissible, or

(ii) when any other kind of leave is admissible but a Member of the Service applies in writing for the grant of extraordinary leave.

(b) Competent Authority may retrospectively convert periods of absence without leave into extraordinary leave even when any other kind of leave was admissible at the time when absence without leave commenced;

(c) Extraordinary Leave shall not be debited to the leave account;

(d) Two spells of extraordinary leave, if intervened by any other kind of leave, shall be treated as one continuous spell of extraordinary leave for the purpose of sub-rule (a)

31. Special Disability Leave for injury intentionally inflicted:

(1) The authority competent to grant leave may grant special disability leave to a Member of the Service (whether permanent or temporary) who is disabled by injury intentionally inflicted or caused in, or in consequence of the due performance of his official duties or in consequence of his official position.

(2) Such leave shall not be granted unless the disability manifested itself within three months of the occurrence to which it is attributed and the person disabled acted with due promptitude in bringing it to notice:

Provided that the authority competent to grant leave may, if it is satisfied as to the cause of the disability, permit leave to be granted in cases where the disability manifested itself more than three months after the occurrence of its cause.

(3) The period of leave granted shall be such as is certified by an Authorized Medical Practitioner and shall in no case exceed 24 months.

(4) Special disability leave may be combined with leave of any other kind.

(5) Special disability leave may be granted more than once if the disability is aggravated or reproduced in similar circumstances at later date, but not more than 24 months of such leave shall be granted in consequence of any on disability.

(6) Special disability leave shall be counted as duty in calculating service for pension and shall not, except the leave granted under the proviso to Clause (b) of sub-rule (7), be debited against the leave account.

(7) Leave salary during such leave shall:-

(a) for the first 120 days of any period of such leave, including a period of such leave granted under sub-rule (5), be equal for leave salary while on earned leave;

(b) for the remaining period of any such leave, be equal to leave salary during half pay leave:

Provided that a Member of the Service may, at his option, be allowed leave salary as in sub-rule (a) for a period not exceeding another 120 days, and in the event the period of such leave shall be debited to his half pay leave account.

32. Special disability leave for accidental injury:

(1) The provisions of Rule 31 shall apply also to a Member of the Service who is disabled by injury accidentally incurred in, or in consequence of, the due performance of his official duties or in consequence of his official position, or by illness incurred in the performance of any particular duty, which has the effect of increasing his liability to illness or injury beyond the ordinary risk attaching to the civil post which he holds.

(2) The grant of special disability leave in such case shall be subject to the further conditions :-

(i) That the disability, if due to disease, must be certified by an Authorized Medical Practitioner to be directly due to the performance of the particular duty;

(ii) that the period of absence recommended by an Authorized Medical Practitioner may be covered in part, by leave under this rule and in part by any other kind of leave, and that the amount of special disability leave granted on leave salary equal to that admissible on earned leave shall not exceed 120 days.

33. Maternity Leave:

(a) Maternity leave may be granted to a woman Member of the Service, with less than two surviving children, on full pay up to a period of 180 days from the date of its commencement. During such period, she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave.

(b) A female Member of the Service (irrespective of the number of surviving children) may be granted maternity leave in cases of miscarriage, including abortion induced under Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 or otherwise, to a maximum period not exceeding 45 days on production of a medical certificate as laid down in Rule 17.

(c) Maternity leave may be combined with the leave of any other kind. Notwithstanding the requirement of production of medical certificate contained in Rule 28 and Rule 29, leave of any kind due and admissible (including commuted leave for a period of not exceeding 60 days and Leave Not Due) up to a maximum of two year may, if applied, be granted in continuation of maternity leave granted under sub-rule(a).

(d) Maternity leave shall not be debited against the leave account.

34. Paternity Leave:

(a) A male Member of the Service with less than two surviving children may be granted paternity leave by the Competent Authority for a period of 15 days during the confinement of his wife for child birth i.e., upto 15 days before, or upto six months from the date of delivery of the child;

- (b) During such period of 15 days he shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave;
- (c) The paternity leave may be combined with leave of any other kind;
- (d) The paternity leave shall not be debited against the leave account;
- (e) If paternity leave is not availed of within the period specific in sub-rule (a) such leave shall be treated as lapsed.

35. Child Adoption Leave:

(1) A female Member of the Service with less than two surviving children on valid adoption of a child below the age of one year may be granted child adoption leave, by the competent authority for a period of 180 days after the date of valid adoption;

(2) During the period of child adoption leave she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave;

(3) (a) Child adoption leave may be combined with leave of any other kind;

(b) In continuation of the child adoption leave granted under sub-rule (1), a female Member of the Service on valid adoption of a child may also be granted, if applied for, leave of the kind due and admissible (including leave not due and commuted leave not exceeding 60 days without production of medical certificate) for a period up to one year reduced by the age of the adopted child on the date of valid adoption, without taking into account child adoption leave;

Provided that this facility shall not be admissible in case she is already having two surviving children at the time of adoption.

(4) Child adoption leave shall not be debited against the leave account.

(5) A male Member of the Service with less than two surviving children, on valid adoption of a child below the age of one year, may be sanctioned paternity leave for a period of 15 days within a period of six months from the date of valid adoption.

36. Child Care Leave:

A female Member of the Service may be granted Child Care Leave having minor children below the age of 18 years for a maximum period of two years (i.e. 730 days) during her entire tenure of service with the following conditions :-

- (a) Child Care Leave shall be admissible for two eldest surviving children only.
- (b) Child Care Leave may not be granted in more than 3 spells in a calendar year.
- (c) Child Care Leave may not be granted for less than 15 days.

(d) Child Care Leave should not ordinarily be granted during the probation period except in case of certain extreme situations where the leave sanctioning authority is fully satisfied about the need of Child Care Leave to the probationer. It may also be ensured that the period for which this leave is sanctioned during probation is minimal.

(e) Child Care Leave cannot be demanded as a matter of right. Under no circumstances a Member of the Service can proceed on Child Care Leave without prior approval of the Competent Authority.

Explanation: The Child Care Leave is to be treated like earned leave and sanctioned as such. Consequently, Saturdays, Sundays, Gazetted holidays etc. falling during the period of leave would also count as Child Care Leave as in the case of earned leave.

37. Special Casual Leave:

(a) The High Court may grant special casual leaves to Members of the Service during the month of December for a period not exceeding one week.

(b) In the first year of his service, Member of the Service may be granted Special Casual Leave, during the Vacation Month, for such number of days as may be determined by the High Court.

(c) Special Casual Leaves shall not be debited to the Leave account of the Members of the Service.

38. Compensatory Leave:

(a) Compensatory leave may be given to Members of the Service where compulsory attendance on Sundays or other public holidays or during vacations justifies the grant of compensatory leave for the number of days a Member of the Service is directed to attend the office/court.

(b) No compensatory leave, however, will be admissible to a Member of the Service who has been paid honorarium or suitably compensated in terms of money for the days of such compulsory attendance on Sundays or other public holidays or has been on duty leave on such days.

(c) Compensatory leave may be availed within a period of 1 year from the date of its falling due, otherwise the same shall be treated to have lapsed.

39. Leave to probationer, a person on probation:

(1)(a) A probationer shall be entitled to leave under these rules if he had held his post substantively otherwise than on probation.

(b) If, for any reason, it is proposed to terminate the services of a probationer, any leave which may be granted to him shall not extend—

(i) beyond the date on which the probationary period as already sanctioned or extended expires, or

(ii) beyond any earlier date on which his services are terminated by the orders of an authority competent to appoint him.

(2) A person appointed to a post on probation shall be entitled to leave under these rules as a temporary or a permanent Member of the Service according as his appointment is against a temporary or a permanent post:

Provided that where such person already holds a lien on a permanent post before such appointment, he shall be entitled to leave under these rules as a permanent Member of the Service.

40. Persons re-employed after retirement:

In the case of a person re-employed after retirement, the provisions of these rules shall apply as if he had entered government service for the first time on the date of his re-employment.

41. Leave preparatory to retirement:

(1) A Member of the Service may be permitted by the authority competent to grant leave to take leave preparatory to retirement to the extent of earned leave due, not exceeding 300 days together with half pay leave due, subject to the condition that such leave extends up to and includes the date of retirement.

NOTE.- The leave granted as leave preparatory to retirement shall not include extraordinary leave.

CHAPTER V

Study Leave

42. Conditions for grant of study leave:

(1) Study leave may be granted to a Member of the Service with due regard to the exigencies of judicial service to enable him to undergo in or out of India, a special course of study consisting of higher studies or specialized training in a professional or a technical subject having a direct and close connection with the sphere of his duty;

(2) Study leave may also be granted for a course of training or study tour in which a Member of the Service may not attend a regular academic or semi-academic course if the course of training or the study tour is certified to be of definite advantage to government from the point of view of public interest and is related to sphere of duties of a Member of the Service subject to the conditions that:-

(a) the particular study or study tour should be approved by the authority competent to grant leave; and

(b) a Member of the Service should be required to submit, on his return, a full report on the work done by him while on study leave;

(3) Study leave may also be granted for the studies which may not be closely or directly connected with the work of a Member of the Service, but which are capable of widening his mind in a manner likely to improve his abilities as a Judicial Officer;

(4) Study leave out of India shall not be granted for the prosecution of studies in subjects for which adequate facilities exist in India;

(5) Study leave may be granted to a Member of the Service—

(i) who has satisfactorily completed period of probation and has rendered not less than five years' regular continuous service including the period of probation under the government;

(ii) who is not due to reach the age of superannuation from the government service within three years from the date on which he is expected to return to duty after the expiry of the leave; and

(iii) who executes a Bond as laid down in Rule 45(4) undertaking to serve the government for a period of three years after the expiry of the leave

(6) Study leave shall not be granted to a Member of the Service with such frequency as to remove him from contact with his regular work or to cause cadre difficulties owing to his absence on leave.

(7) The High Court shall be the authority competent to grant study leave.

43. Maximum amount of study leave:

(1) The maximum amount of study leave, which may be granted to a Member of the Service shall be—

(a) ordinarily twelve months at any one time, and

(b) during his entire service, twenty-four months in all (inclusive of similar kind of leave for study or training granted under any other rules).

44. Applications for study leave:

(1) (a) Every application for study leave shall be submitted through proper channel to the authority competent to grant leave.

(b) The course or courses of study contemplated by a Member of the Service and any examination which he proposes to undergo shall be clearly specified in such application.

(2) Where it is not possible for a Member of the Service to give full details in his application, or if, after leaving India, he is to make any change in the programme which has been approved in India, he shall submit the particulars as soon as possible to the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, and shall not, unless prepared to do so at his own risk, commence the course of study or incur any expenses in connection therewith until he receives the approval of the authority competent to grant the study leave for the course.

45. Sanction of study leave:

(1) A report regarding the admissibility of the study leave shall be obtained from the Accounts Officer;

Provided that the study leave, if any, already availed of by a Member of the Service shall be included in the report.

(2) Where a Member of the Service borne permanently on the cadre of Delhi Judicial Service is serving temporarily in another department or establishment, the grant of study leave to him shall be subject to the condition that the concurrence of the High Court is obtained before the leave is granted.

(3) Where the study leave is granted for prosecution of studies abroad, the Head of the Mission concerned shall be informed of the fact by the authority granting the leave, provided that where such leave has been granted by the Administrator, the intimation shall be sent through the Ministry concerned.

NOTE :- The Head of the Mission shall be contacted by a Member of the Service for issue of any letters of introduction or for other similar facilities that may be required.

(4) (a) Every Member of the Service who has been granted study leave or extension of such study leave shall be required to execute a Bond in Form 6 or Form 7, as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(b) The Authority competent to grant leave shall send to the Accounts Officer a certificate to the effect that a Member of the Service referred to in Clause (a) has executed the requisite bond.

(5) (a) On completion of the course of study, a Member of the Service shall submit to the authority which granted him the study leave, the certificates of examinations passed or special courses of study undertaken, indicating the date of commencement and termination of the course with the remarks, if any, of the authority in charge of the course of study.

(b) If the study is undertaken in a country outside India where there is an Indian Mission, the certificates shall be submitted through the Head of the Mission concerned.

46. Accounting of study leave and combination with leave of other kinds:

(1) Study leave shall not be debited against the leave account of a Member of the Service.

(2) Study leave may be combined with other kinds of leave, but in no case shall be grant of this leave in combination with leave, other than extraordinary leave involve a total absence of more than twenty eight months generally and thirty-six months for the courses leading to PhD. degree from the regular duties of a Member of the Service.

Explanation:- The limit of twenty-eight months/thirty six months of absence prescribed in this sub-rule includes the period of vacation.

(3) A Member of the Service granted study leave in combination with any other kind of leave may, if he so desires, undertake or commence a course of study during any other kind of leave and subject to the other conditions laid down in Rule 50 being satisfied, draw study allowance in respect thereof.

Provided that the period of such leave coinciding with the course of study shall not count as study leave.

47. Regulation of study leave extending beyond course of study:

When the course of study fall short of study leave granted to a Member of the Service, he shall resume duty on the conclusion of the course of study, unless the previous sanction of the authority competent to grant leave has been obtained to treat the period of shortfall as ordinary leave.

48. Leave Salary during study leave:

(1) Except as provided in sub-rule (6), during Study Leave availed of outside India, a Member of Service shall draw Leave Salary equal to the pay that a Member of the Service drew while on duty with government immediately before proceeding on such leave and in addition the Dearness Allowance, House Rent Allowance and Study Allowance as admissible in accordance with the provisions of Rules 50 to 53.

(2) Except as provided in sub-rule (6), during Study Leave availed of in India, a Member of the Service shall draw Leave Salary equal to the pay that a Member of the Service drew while on duty with government immediately before proceeding on such leave and in addition the Dearness Allowance and House Rent Allowance as admissible in accordance with the provisions of Rule 52.

(3) Payment of leave salary at full rate under Clause (2) shall be subject to furnishing of a certificate by a Member of the Service to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or remuneration in respect of any part-time employment.

(4) The amount, if any, received by a Member of the Service during the period of Study leave as scholarship or stipend or remuneration in respect any part-time employment as envisaged in sub-rule (2) of Rule 49, shall be adjusted against the Leave Salary payable under this sub-rule subject to the condition that the Leave Salary shall not be reduced to an amount less than that payable as Leave Salary during half-pay leave.

(5) No study allowance shall be paid during Study Leave for courses of study in India.

(6) During the currency of Study Leave within or outside India, a Member of the Service shall draw benefits of Revised Pay from the date such revision takes place.

49. Conditions for grant of study allowance:

(1) A study allowance shall be granted to a Member of the Service who has been granted study leave for studies outside India for the period spent in prosecuting a definite course of study at a recognized institution or in any definite tour of inspection of any special class of work, as well as for the period covered by any examination at the end of the course of study.

(2) Where a Member of the Service has been permitted to receive and retain, in addition to his leave salary, any scholarship or stipend that may be awarded to him from government or non-government sources, or any other remuneration in respect of any part-time employment-

(a) no study allowance shall be admissible in case the net amount of such scholarship or stipend or remuneration (arrived at by deducting the cost of fees, if any, paid by a Member of the Service from the value of the scholarship or stipend or remuneration) exceeds the amount of study allowance otherwise admissible;

(b) In case the net amount of scholarship or stipend or remuneration is less than the study allowance otherwise admissible, the difference between the value of the net scholarship or stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment and the study allowance may be granted by the authority competent to grant leave.

(3) Study allowance shall not be granted for any period during which a Member of the Service interrupts his course of study to suit his own convenience:

Provided that the authority competent to grant leave or the Head of Mission may authorize the grant of Study Allowance for a period not exceeding 14 days at a time during such interruption if it was due to sickness.

(4) Study Allowance shall also be allowed for the entire period of vacation during the course of study subject to the conditions that—

(a) A Member of the Service attends during vacation any special course of study or practical training under the direction of the government or the authority competent to grant leave, as the case may be; or

(b) In the absence of any such direction, he produces satisfactory evidence before the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, that he has continued his studies during the vacation:

Provided that in respect of vacation falling at the end of the course of study, it shall be allowed for a maximum period of 14 days.

(5) The period for which Study Allowance may be granted shall not exceed 24 months in all.

50. Rates of Study Allowance:

The rates of Study Allowance admissible to a Member of the Service shall be such as may be especially determined by the High Court in each case.

NOTE—The rates of Study Allowance shall in no case be lower than the one prescribed by the government in respect of officers of Indian Administrative Service.

51. Procedure for payment of study allowance:

(1) Payment of study allowance shall be subject to the furnishing of a certificate by a Member of the Service to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment.

(2) Study Allowance shall be paid at the end of every month provisionally subject to an undertaking in writing being obtained from a Member of the Service that he would refund to the government any overpayment consequent on his failure to produce the required certificate of attendance or on his failure to satisfy the authority competent to grant leave about the proper utilization of the time spent for which Study Allowance is claimed.

(3) (a) In the case of a definite course of study at a recognized institution, the Study Allowance shall be payable by the authority competent to grant leave, if the study leave availed of is in a country where there is no Indian Mission, and by the Head of the Mission in other cases, on claims submitted by a Member of the Service from time to time, supported by proper certificates of attendance.

(b) The certificate of attendance required to be submitted in support of the claims for Study Allowance shall be forwarded at the end of the terms, if a Member of the Service is undergoing study in an educational institution, or at intervals not exceeding three months if he is undergoing study at any other institution.

(4) (a) When the programme of study approved does not include, or does not consist entirely of, such a course of study, a Member of the Service shall submit to the

authority competent to grant leave direct or through the Head of the Mission a diary showing how his time has been spent and a report indicating fully the nature of the methods and operations which have been studied and including suggestions as to the possibility of adapting such methods or operations to conditions obtaining in India.

(b) The authority competent to grant leave shall decide whether the diary and report show that the time of a Member of the Service was properly utilized and shall determine accordingly for what periods Study Allowance may be granted.

52. Admissibility of allowances in addition to Study Allowance:

(1) For the first (180) days of the Study Leave, House Rent allowance shall be paid at the rates admissible to a Member of the Service from time to time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of House Rent Allowance beyond (180) days shall be subject to the production of a certificate as prescribed in Para.8 (d) of Ministry of Finance, O.M. No.2 (37)-E.II (B)/64, dated 27-11-1965, as amended from time to time.

(2) Except for house rent allowance as admissible under sub-rule (1) and the Dearness Allowance, City Comensatory Allowance and the Study Allowance, where admissible, no other allowance shall be paid to a Member of the Service in respect of the period of study leave granted to him.

53. Travelling Allowance during study leave:

A Member of the Service to whom study leave has been granted shall not ordinarily be paid Travelling Allowance but the President may in exceptional circumstances sanction the payment of such allowance.

54. Cost of fees for study:

A Member of the Service to whom study leave has been granted shall ordinarily be required to meet the cost of fees paid for the study but in exceptional cases, the High Court may sanction the grant of such fees:

Provided that in no case shall the cost of fees be paid to a Member of the Service who is in receipt of scholarship or stipend from whatever source or who is permitted to receive or retain, in addition to his leave salary, any remuneration in respect of part-time employment.

55. Resignation or retirement after study leave or non-completion of the course of study:

(1) If a Member of the Service resigns or retires from service or otherwise quits service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years after such return to duty or fails to complete the course of study and is thus unable to furnish the certificates as required under sub-rule (5) of Rule 45 he shall be required to refund--

(i) the actual amount of leave salary, Study Allowance, cost of fees, traveling and other expenses, if any, incurred by the Government of India; and

(ii) the actual amount, if any, of the cost incurred by other agencies such as foreign Government, Foundations and Trusts in connection with the course of study, together with interest thereon at rates for the time being in force on government loans from the date of demand, before his resignation is accepted or permission to retire is granted or his quitting service otherwise:

Provided that except in the case of a Member of the Service who fail to complete the course of study nothing in this rule shall apply—

(a) to a Member of the Service who, after return to duty from study leave, is permitted to retire from service on medical grounds; or

(b) to a Member of the Service who, after return to duty from study leave, is deputed to serve in any Statutory or Autonomous Body or Institution under the control of the government and is subsequently permitted to resign from service under the government with a view to his permanent absorption in the said Statutory or Autonomous body or Institution in the public interest.

(2) (a) The study leave availed of by such Member of the Service shall be converted into regular leave standing at his credit on the date on which the study leave commenced, any regular leave taken in continuation of study leave being suitably adjusted for the purpose and the balance of the period of study leave, if any, which cannot be so converted, treated as extraordinary leave.

(b) In addition to the amount to be refunded by a Member of the Service under sub-rule (1), he shall be required to refund any excess of leave salary actually drawn over the leave salary admissible on conversion of the study leave.

(3) Notwithstanding anything contained in this rule, the President may, if it is necessary or expedient to do so, either in public interest or having regard to the peculiar circumstances of the case or class of cases, by order, waive or reduce the amount required to be refunded under sub-rule (1) by a Member of the Service concerned or class of Member of the Services.

CHAPTER VI

Leave Salary and encashment of leave

56. Leave Salary:

(a) A Member of the Service on earned leave is entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on earned leave,

(b) A Member of the Service on half pay leave or leave not due is entitled to leave salary equal to half the amount specified in sub-rule (a).

(c) A Member of the Service on commuted leave is entitled to leave salary equal to the amount admissible under sub-rule (a).

(d) A Member of the Service on extraordinary leave is not entitled to any leave salary.

(e) A Member of the Service on special disability leave shall be entitled, in respect of the initial period of 120 days, to leave salary in accordance with sub-rule (a).

(f) In respect of special disability leave beyond the initial period of 120 days leave salary equal to the amount specified in sub-rule (a), may be granted at the option of the Member of the Service for a further period limited to the number of days of earned leave due to him in which case the earned leave account shall be debited with half the number of days for which leave salary is granted under this sub-rule.

(g) The leave salary during special disability leave in respect of any period not covered by sub-rules (e) and (f) shall be at the rate specified in sub-rule (b).

(h) in the case of a Member of the Service who is granted leave earned by him during the period of re-employment, the leave salary shall be based on the pay drawn by him exclusive of pension and pension equivalent of other retirement benefits.

(i) The leave salary payable under these rules shall be drawn in rupees in India.

57. Leave/Cash payment in lieu of leave beyond the date of retirement, compulsory retirement or quitting of service:

(1) No leave shall be granted to a Member of the Service beyond-

(a) the date of his retirement, or

(b) the date of his final cessation of duties, or

(c) the date on which he retires by giving notice to government or he is retired by government by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice, in accordance with the terms and conditions of his service, or

(d) the date of his resignation from service.

(2) (a) Where a Member of the Service retires on attaining the age of superannuation under Rule 31A of Delhi Judicial Service Rules, 1970 the authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for earned leave, if any, at the credit of a Member of the Service on the date of his retirement, subject to a maximum of 300 days.

(b) The cash equivalent under Clause (a) shall be calculated as follows and shall be payable in one lump sum as a one-time settlement.

No House Rent Allowance or Compensatory (City) Allowance shall be payable-

Cash equivalent = Pay admissible on the date of retirement plus dearness allowance admissible on <u>that day</u>	X 30	Number of days of unutilized earned leave at credit on the date of retirement subject to the maximum of 300 days
---	----------------	--

(3) The authority competent to grant leave may withhold whole or part of cash equivalent of earned leave in the case of a Member of the Service who retires from service on attaining the age of retirement while under suspension or while disciplinary or criminal proceedings are pending against him, if in the view of such authority there is a possibility of some money becoming recoverable from him on conclusion of the proceedings against him. On conclusion of the proceedings, he will become eligible to the amount so withheld after adjustment of government dues, if any.

(4) (a) Where the service of a Member of the Service has been extended, in the interest of public service beyond the date of his retirement, he may be granted-

(i) during the period of extension, any earned leave due in respect of the period of such extension plus the earned leave which was at his credit on the date of his retirement subject to a maximum of 300 days.

(ii) after expiry of the period of extension, cash equivalent in the manner provided in sub-rule (2) in respect of earned leave at credit on the date of retirement, plus the earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 300 days.

(b) The cash equivalent payable under sub-clause (ii) of Clause (a) of this sub-rule shall be calculated in the manner indicated in Clause (b) of sub-rule (2) above.

(5) A Member of the Service who retires or is retired from service in the manner mentioned in Clause (c) of sub-rule (1), may be granted *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of the leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of 300 days and also in respect of all the half pay leave at his credit, provided this period does not exceed the period between the date on which he so retires or is retired from service and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent shall be equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or equal to the leave salary as admissible for half pay leave plus dearness allowance admissible on the leave salary for the first 300 days at the rates in force on the date a Member of the Service so retires or is retired from service. The pension and pension equivalent of other retirement benefits and *ad hoc* relief/graded relief on pension shall be deducted from the leave salary paid for the period of half pay leave, if any, for which the cash equivalent is payable. The amount so calculated shall be paid in one lumpsum as a one-time settlement. No House Rent Allowance or Compensatory (City) Allowance shall be payable:

Provided that if leave salary for the half pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half pay leave shall not be granted.

(6)(a)(i) Where the services of a Member of the Service are terminated by notice or by payment of pay and allowances in lieu of notice, or otherwise in accordance with the terms and conditions of his appointment, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date on which he ceases to be in service subject to a maximum of 300 days.

(ii) If a Member of the Service resigns or quits service, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of cessation of service, to the extent of half of such leave at his credit, subject to a maximum of 150 days.

(iii) A Member of the Service, who is re-employed after retirement may, on termination of his re-employment, be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of termination of re-employment subject to a maximum of 300 days including the period for which encashment was allowed at the time of retirement.

(b) The cash equivalent payable under Clause (a) shall be calculated in the manner indicated in Clause (b) of sub-rule (2) and for the purpose of computation of cash equivalent under sub-clause (iii) of Clause (a), the pay on the date of the termination of re-employment shall be the pay fixed in the scale of post of re-employment before adjustment of pension and pension equivalent of other retirement benefits, and the Dearness Allowance appropriate to that pay.

58. Cash equivalent of leave salary in case of death in service:

In case a Member of the Service dies while in service, the cash equivalent of the leave salary that the deceased employee would have got had he gone on earned leave that would have been due and admissible to him but for the death on the date immediately following the death and in any case, not exceeding leave salary for 300 days, shall be paid to his family in the manner specified in Rule 60 without any reduction on account of pension equivalent of death-cum-retirement gratuity.

59. Cash equivalent of leave salary in case of invalidation from service:

A Member of the Service who is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of leave salary in respect of leave due and admissible, on the date of his invalidation from service, provided that the period of leave for which he is granted cash equivalent does not extend beyond the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent thus payable shall be equal to the leave salary as calculated under sub-rule (5) of Rule 57.

60. Payment of cash equivalent of leave salary in case of death, etc., of Member of Service:

In the event of the death of a Member of the Service while in service or after retirement or after final cessation of duties but before actual receipt of its cash equivalent of leave salary payable under Rules 57, 58 and 59, such amount shall be payable-

(i) to the widow, and if there are more widows than one, to the eldest surviving widow if the deceased was a male Member of the Service, or to the husband, if the deceased was a female Member of the Service;

EXPLANATION—The expression “eldest surviving widow” shall be construed with reference to the seniority according to the date of the marriage of the surviving widows and not with reference to their ages;

(ii) failing a widow or husband, as the case may be, to the eldest surviving son; or an adopted son;

(iii) failing (i) and (ii) above, to the eldest surviving unmarried daughter;

(iv) failing (i) to (iii) above, to the eldest surviving widowed daughter;

(v) failing (i) to (iv) above, to the father;

(vi) failing (i) to (v) above, to the mother;

(vii) failing (i) to (vi) above, to the eldest surviving brother below the age of eighteen years;

(viii) failing (i) to (vii) above, to the eldest surviving unmarried sister;

(ix) failing (i) to (viii) above], to the eldest surviving widowed sister;

(x) failing (i) to (ix) above, to the eldest surviving married daughter; and

(xi) failing (i) to (x) above, to the eldest child of the eldest predeceased son.

61. Cash equivalent of leave salary in case of permanent absorption in Public Sector Undertaking/Autonomous Body wholly or substantially owned or controlled by the Central/State Government:

A Member of the Service who has been permitted to be absorbed in a service or post in or under a Corporation or Company wholly or substantially owned or controlled by the Central Government or State Government or in or under a body controlled or financed by one or more than one such Government shall be granted *suo motu* by the authority competent to grant leave cash equivalent of leave salary in respect of earned leave at his credit on the date of absorption subject to a maximum of 300 days. This will be calculated in the same manner as indicated in Clause (b) of sub-rule (2) of Rule 57.

62. Advance of leave salary:

A Member of the Service, proceeding on leave for a period not less than thirty days, may be allowed an advance in lieu of leave salary up to a month's pay and allowances admissible on that leave salary subject to deductions on account of Income Tax, Provident Fund, House Rent, Recovery of Advances, etc.

63. Encashment of earned leaves at the time of availing Leave Travel Concession:

(a) A Member of the Service may be sanctioned encashment of ten days of earned leave out of the total earned leave at his credit while availing leave travel concession if -

(i) The total earned leave encashed under this rule during the entire service of such member does not exceed sixty days;

Explanation: Equal number of encashment of leaves can also be availed by the spouse, if working.

(iii) A balance of at least thirty days earned leave remains at the credit of the Member of the Service after availing of the earned leave during leave travel concession.

(b) The amount admissible in case of encashment of earned leave under sub-rule (a) shall be equal to the corresponding leave salary.

Explanation: The encashment of earned leave up to 10 days at the time of availing LTC shall be without any linkage to the number of days and the nature of leave availed while proceeding on LTC.

64. Encashment of Leave During Service:

(a) A Member of the Service shall be entitled to encash salary equivalent to one month after every two years of his or her service;

(b) The amount payable shall be the leave salary equal to the amount payable for the last month of the two year block period;

(c) The earned leave encashed under this rule shall not be deducted from the total earned leave encashable by a Member of the Service at the time of superannuation, resignation or death, as the case may be.

CHAPTER-VII

Miscellaneous

65. Relaxation of the provisions of the rules in individual cases:

Where the High Court is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a Member of the Service, it may, after recording its reasons for so doing and notwithstanding anything contained in any of these rules, deal with the case of such member in such manner as may appear to it to be just and equitable:

Provided that the case shall not be dealt with in any manner less favourable to such member than that prescribed in these rules.

66. Interpretation:

If any question arises as to the interpretation of these rules, the High Court shall decide the same.

67. Residuary matters:

In respect of all such matters regarding leaves for which no provision or insufficient provision has been made in these rules, the Central Civil Services (Leave) Rules as amended from time to time or orders or directions issued and applicable to the Government Servants holding corresponding posts in connection with the affairs of Union of India shall apply.

FIRST SCHEDULE

[See Rule 4(c)]

AUTHORITIES COMPETENT TO GRANT LEAVE

Sl. No. (1)	Kind of leave (2)	Authority competent to grant leave (3)
1.	Earned Leave, Half Pay Leave, Commuted Leave, Leave not Due, Maternity Leave, Paternity Leave, Child Adoption Leave, Child Care Leave, Casual Leave, Special Casual Leave, Compensatory Leave,	District Judge of the concerned District
2.	Special Disability Leave, Study Leave and Extraordinary Leave	High Court

SECOND SCHEDULE

[See Rule 4 (g)]

FORM 1

[See Rule 13]

APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE

1. Name of applicant
2. Post held
3. Place of posting
4. Nature and period of leave applied for and date from which required
5. Sundays and holidays, if any, proposed to be prefixed/suffixed to leave
6. Grounds on which leave is applied for
7. Address during leave period

Signature of Applicant
(with date)

8. Remarks and/or recommendation of the Controlling Officer

Signature (with date)
Designation

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

9. Certified that (*nature of leave*) for (*period*) from to is admissible under Rule of the Delhi Judicial Services Rules (Leave), 2011.

Signature (with date)
Designation

10. Orders of the authority competent to grant leave ...

Signature (with date)
Designation

FORM 2

[See Rule 13]

**APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE
WHILE AVALING LTC**

1. Name of applicant
2. Post held
3. Place of Posting
4. Pay
5. Nature and period of leave applied for and date from which required
6. Sundays and holidays, if any, proposed to be prefixed/suffixed to leave
7. Grounds on which leave is applied for
8. I propose to avail myself of leave travel concession for the block years during the ensuing leave
9. Address during leave period

Signature of Applicant
(with date)

10. Remarks and/or recommendation of the Controlling Officer

Signature (with date)
Designation

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

11. Certified that (*nature of leave*) for (*period*) from to is admissible under Rule of the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

Signature (with date)
Designation

12. Orders of the authority competent to grant leave

Signature (with date)
Designation

FORM 3
[See Rule 14]

FORM OF LEAVE ACCOUNT

Name of government servant.....
Date of commencement of continuous service.....
Date of Quasi-Permanent / Permanent employment.....

EARNED LEAVE		HALF PAY LEAVE									
Particulars of service in the calendar half-year	To	From		No. of days		To		From		No. of days	
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Completed months of service in the calendar half-year											
H.L. credited at the beginning of half-year											
No. of days of E.O.L. (Col. 36) available during the previous calendar half-year											
H.L. to be deducted ($1/10^{\text{th}}$ of the period in Col. 5)											
Total H.L. at credit in days (Col. 4 + Col. 6)											
Balance of H.L. on return from leave (Cols. 7-10)											
Completed month of service in the half-year											
H.P.L. credited at the beginning of half-year											
No. of days treated as <i>non</i> during the previous half-year											
H.P.L. to be deducted ($1/18^{\text{th}}$ of the period in Col. 14)											
Total H.P.L. at credit in days (Cols. 13 + 35 - 15)											
Against the earnings on half pay											
To											
From											
No. of days											

(On Private Affairs and on Medical Certificates including Commuted Leave and Leave Not due)

TAKEN		Leave Not Due limited to 360 days in entire service			
Commututed Leave without M.C. for studies certified to be in public interest (limited to 180 days commuted leave in entire service)		From	To	No. of days	
20	21	22	23	24	25
Commututed Leave on Medical Certificate on full pay		From	To	No. of days	
26	27	28	29	30	31
Commututed leave converted into half pay leave (Twice of Cols. 22 & 25)		From	To	No. of days	
26	27	28	29	30	31
Commuted leave converted into half pay leave (Twice of Cols. 22 & 25)		From	To	No. of days	
26	27	28	29	30	31
Total off Leave Net Due (Cols. 29+32)					
Total of Half Pay Leave taken (Cols. 19+26+33)					
Balance of Half Pay Leave on return from leave (Cols. 16-34)					
Other kinds of Leave taken					

NOTE 1. - The Earned Leave due should be expressed in days.

NOTE 2. - When a Government servant is appointed during the course of a particular half-year, E.L. should be credited @ 2½ days for each completed month and the fraction of a day will be rounded off to the nearest day.

NOTE 3. - The entries in col. 11 should be in complete days. Fraction of a day will be rounded off to the nearest day.

NOTE 4. - The period of extraordinary leave should be noted in red ink.

FORM 4

[See Rule 17]

**MEDICAL CERTIFICATE FOR MEMBER OF THE SERVICE
RECOMMENDED LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR
COMMUTATION OF LEAVE**

Signature of a Member of the Service

I, after careful personal examination of the case hereby certify that Shri/Shrimati/Kumari whose signature is given above, is suffering from and I consider that a period of absence from duty of with effect from is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated.....

Authorized Medical Practitioner

FORM 5

[See Rule 23 (3)]

**MEDICAL CERTIFICATE OF FITNESS TO
RETURN TO DUTY**

Signature of a Member of the Service

I, Registered Medical Practitioner do hereby certify that I have carefully examined Shri/Shrimati/Kumari whose signature is given above, and find that he/she has recovered from his/her illness and is now fit to resume duties in Government service. I also certify that before arriving at this decision, I have examined the original medical certificate(s) and [statement(s)] of the case (or certified copies thereof) (if any)] on which leave was granted or extended and have taken these into consideration in arriving at my decision.

Dated.....

Authorized Medical Practitioner

NOTE. — The original medical certificate(s) and statement(s) of the case on which the leave was originally granted or extended shall be produced before the authority required to issue the above certificate. For this purpose, the original certificate(s) and statement(s) of the case should be prepared in duplicate, one copy being retained by a Member of the Service concerned.

100 DG/12-12

FORM 6

[See Rule 45]

**BOND TO BE EXECUTED BY A MEMBER OF THE SERVICE WHEN
PROCEEDING ON STUDY LEAVE**

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I,
 resident of in the District of at present employed as
 in Delhi Judicial Service do hereby bind myself and my heirs, executors
 and administrators to pay to the President of India (hereinafter called the 'Government') on
 demand the sum of Rs. (Rs. only) together with
 interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on
 Government loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said
 amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that
 country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges
 and expenses that shall or may have been incurred by the Government.

WHEREAS I, am granted study leave by Government.

AND WHEREAS for the better protection of the Government I have agreed to execute this
 Bond with such condition as hereunder is written:

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the
 event of my failing to resume duty, or resignation or retiring from service or otherwise quitting
 service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or
 failing to complete the course of study or at any time within a period of three years after my
 return to duty, I shall forthwith pay to the Government or as may be directed by the Government,
 on demand the said sum of Rs. (Rupees only) together with
 interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on
 Government loans.

AND upon my making such payment, the above-written obligations shall be void and of no
 effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force
 and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the
 appropriate Courts in India.

Signed and dated this day of two thousand and

Signed and delivered by

.....
 in the presence of

Witnesses : 1
 2

ACCEPTED
 For and on behalf of the
 President of India

FORM 7

[See Rule 45]

**BOND TO BE EXECUTED BY A MEMBER OF THE SERVICE WHEN
GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE**

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I, resident of in the District of at present employed as in the Delhi Judicial Service do hereby bind myself and my heirs, executors and administrators to pay to the President of India (hereinafter called "the Government") on demand the sum of Rs. (Rupees only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Government loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Government.

WHEREAS I, was granted study leave by Government for the period from to in consideration of which I executed a Bond, dated for Rs. (Rupees only) in favour of the President of India.

AND WHEREAS the extension of study leave has been granted to me at my request until

AND WHEREAS for the better protection of the Government I have agreed to execute this Bond with such conditions as hereunder are written.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the event of my failing to resume duty, or resigning or retiring from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave so extended or failing to complete the course of study or any time within a period of three years after my return to duty, I shall forthwith pay to the Government or as may be directed by the Government, on demand the said sum of Rs. (Rupees only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Government loans.

AND upon my making such payment the above-written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

Signed and dated this day of two thousand and
 Signed and delivered by
 in the presence of
 Witnesses : 1
 2

ACCEPTED
 for and on behalf of the
 President of India

APPENDIX-I**RULES REGARDING GRANT OF CASUAL LEAVE**

Casual leave is not a recognized form of leave and is not subject to any rules made for the Members of Service. An official on casual leave is not treated as absent from duty and his pay is not intermitted.

1. Casual leave can be combined with Special Casual Leave and with the vacation allowed during the vacation month but not with any other kind of leave.
2. It cannot be combined with joining time.
3. Sundays and Holidays falling during a period of casual leave are not counted as part of casual leave.
4. Sundays/public holidays/restricted holidays/weekly offs can be prefixed/suffixed to casual leave.
5. Casual leave can be taken while on tour, but no daily allowance will be admissible for the period.
6. Casual leave can be taken for half-day also.
7. Essentially intended for short periods. It should not normally be granted for more than 5 days at any one time.
8. LTC can be availed during Casual Leave.
9. A Member of the Service shall be entitled to 12 Casual Leaves during the calendar year.
10. Officials joining during the middle of a year may avail casual leave proportionately or the full period at the discretion of the competent authority.

NOTE—The account of casual leave of all the employees shall be maintained in the Annexed proforma.

ANNEXURE

Casual Leave account for the year District.....

Sl. No.	Name	Casual Leave taken on (dates)	Remarks
		1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12	

Half day Casual Leave:

- (i) A half day casual leave either for the forenoon session or for the afternoon session may be granted to a Member of the Service on account of some urgent private work.
- (ii) The lunch interval shall be the dividing line i.e. a person who takes half day's casual leave for forenoon session is required to come to office at 2:00 p.m. Similarly if a person takes leave for afternoon session he can be allowed to leave office at 1:30 p.m. (1:30 p.m. to 2:00 p.m. being the lunch time).
- (iii) A half day's leave may be granted in conjunction with full day's casual leave subject to the maximum number of casual leaves that can normally be granted at a time.

Half-day's casual leave to be debited for late attendance—In order to enforce punctuality and ensure prompt and efficient transaction of work half a day's casual leave should be debited to the casual leave account of a Member of THE Service for each late attendance but late attendance up to an hour, on not more than two occasions in a month, may be condoned by the Competent Authority.

NOTE: THESE AMENDMENTS SHALL COME INTO FORCE FROM THE DATE OF THEIR PUBLICATION IN THE GAZETTE.

By Order of the Court,
V. P. VAISH, Registrar General

महिला एवं बाल विकास विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 12 जनवरी, 2012

फा. सं. 61/303/नोटिफिकेशन/सी.एच./डी.डी. (सी.पी.यू.)/डी.डब्ल्यू.सी.डी./2010/30305-360.—

इस संबंध में की गई सभी अधिसूचनाओं को स्थगित करते हुए तथा किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा) अधिनियम, 2000 (2000 का 56) की धारा 66 के अंतर्गत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सरकारी अधिसूचना संख्या फा. 6(2)/डीओ 1/डीएसडब्ल्यू/2001/2832-2891 दिनांक 26-3-2003 में, निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार निम्नलिखित बाल गृह के अंतर्गत बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा तथा कानून के उल्लंघन करने वाले बच्चों के लिए अधिसूचित करता हूँ।

क्रम सं. 0	संस्था का नाम व पता	आयु वर्ग	क्षमता	उपधारा
1.	बाल निरीक्षण गृह-1, प्रयास, अम्बेडकर स्टेडियम के पीछे, दिल्ली गेट, नई दिल्ली ।	18 वर्ष तक के बालकों हेतु	50	8(1)
2.	आधारशिला, बाल निरीक्षण गृह-2, सेवा कुटीर कॉम्प्लैक्स, किंगजवे कैप, दिल्ली ।	18 वर्ष तक के बालकों हेतु	100	8(1)
3.	ऐन्क्सी, आधारशिला, बाल निरीक्षण गृह-2, 1 मैंगजीन रोड, दिल्ली ।	16-18 वर्ष के बालकों हेतु	10	8(1)
4.	बालिका निरीक्षण गृह, निर्मल छाया कॉम्प्लैक्स, जेल रोड, नई दिल्ली	18 वर्ष तक की बालिकाओं हेतु	50	8(1)
5.	स्पेशल होम, 1 मैंगजीन रोड, दिल्ली ।	18 वर्ष तक के बालकों हेतु	20	9(1)

6.	प्लेस ऑफ सेफटी, 1 मैर्जीन रोड, दिल्ली ।	18 वर्ष तक के बालकों हेतु	20	12(3)
7.	फुलवारी, बाल गृह-1, अलीपुर, दिल्ली ।	12-18 वर्ष के बालकों हेतु	200	34(1)
8.	आशीयाना, बाल गृह-2, अलीपुर, दिल्ली	06-12 वर्ष के बालकों हेतु	100	34(1)
9.	उज्जवल, बाल गृह-1, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।	06-12 वर्ष के बालकों हेतु	100	34(1)
10.	उदय, बाल गृह-2, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।	12-18 वर्ष के बालकों हेतु	100	34(1)
11.	अनुपमा, बालिका गृह-1, जेल रोड, दिल्ली	12-18 वर्ष के बालिकाओं हेतु	150	34(1)
12.	अनुकृति बालिका गृह-2, जेल रोड, नई दिल्ली ।	0-12 वर्ष के बालिकाओं हेतु	100	34(1)
13.	शारदा बालिका गृह-3, जेल रोड, नई दिल्ली ।	शोषण की शिकार 18 वर्ष तक की लड़कियों हेतु	25	34(1)
14.	बलिका गृह-4, कमरा नं. 5, शॉर्ट स्ट्रीट महिला गृह, निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स जेल रोड, नई दिल्ली ।	बलिका गृह-1 की गर्भवती लड़कियों की मातृत्व देख रख हेतु	15	34(1)
15.	सुखोचल विध्यालय एवं मंद बुद्धि बालिका गृह, आशा किरण कॉम्प्लेक्स, अवंतिका, दिल्ली ।	6-18 वर्ष के सभी वर्ग के मंद बुद्धि बालिकाओं हेतु	75	34(1)
16.	प्रगति अत्यधिक मंद बुद्धि बाल एवं व्यस्क संस्था, आशा किरण कॉम्प्लेक्स, अवंतिका, दिल्ली ।	6-18 वर्ष की अत्यधिक मंद बुद्धि बालिकाओं हेतु	200	34(1)
17.	विकासिनी मंद बुद्धि बालिका गृह, आशा किरण कॉम्प्लेक्स, अवंतिका, दिल्ली ।	6-18 वर्ष की कम प्रभावित वर्ग की मंद बुद्धि बालिकाओं हेतु	100	34(1)
18.	विलेज कॉटेज होम-1, बाल एवं बालिका गृह, कस्तूरबा निकेतन कॉम्प्लेक्स लाजपत नगर, नई दिल्ली	0-12 वर्ष के बालक एवं बालिकाओं हेतु	40	34(1)
19.	विलेज कॉटेज होम-2, बाल एवं बालिका गृह, पी. डबल्यू बेरेक्स, बी-ब्लाक, कालकाजी, नई दिल्ली ।	0-12 वर्ष के बालक एवं बालिकाओं हेतु	40	34(1)
20.	विलेज कॉटेज होम-3, बाल एवं बालिका गृह, कस्तूरबा निकेतन कॉम्प्लेक्स, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।	0-12 वर्ष के बालक एवं बालिकाओं हेतु	40	34(1)
21.	बालिका सदन-1, कुष्ट प्रभावित लोगों के स्वस्थ बालक एवं बालिकाओं का गृह, निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स, जेल रोड, नई दिल्ली ।	6-12 वर्ष हेतु	100	34(1)
22.	बालिका सदन-2, कुष्ट प्रभावित लोगों की स्वस्थ बालिकाओं का गृह, निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स, जेल रोड, नई दिल्ली ।	12-18 वर्ष हेतु	50	34(1)

23.	बाल सदन-1, कुष्ट प्रभावित लोगों के स्वस्थ बालकों का गृह, तिमार पुर, दिल्ली।	12-18 वर्ष हेतु	60	34(1)
24.	बाल सदन-2, कुष्ट प्रभावित लोगों के स्वस्थ बालकों का गृह, तिमार पुर, दिल्ली।	6-12 वर्ष हेतु	50	34(1)
25.	संस्कार आश्रम बालक-1, दिलशाद गार्डन, जी. टी. बी. अस्पताल के सामने, दिल्ली।	6-12 वर्ष हेतु	50	34(1)
26.	संस्कार आश्रम बालक-2, दिलशाद गार्डन, जी. टी. बी. अस्पताल के सामने, दिल्ली।	6-18 वर्ष हेतु	50	34(1)
27.	संस्कार आश्रम बालिका, दिलशाद गार्डन, जी. टी. बी. अस्पताल के सामने, दिल्ली।	6-18 वर्ष हेतु	100	34(1)

कम संख्या 21-24 वाले बाल गृह कुष्ट रोगियों के स्वस्थ बच्चों तथा कम संख्या 25-27 वाले बाल गृह अधिसूचित जनजातियों के बच्चों को भी आश्रय देंगे। कम संख्या 15-17 वाले बाल गृह मंद बुद्धि / विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अधिसूचित किए गए हैं तथा ये समाज कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा संचालित हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के
आदेश से और उनके नाम पर,
राजीव काले, निदेशक

DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT NOTIFICATION

Delhi, the 12th January, 2012

F. No. 61/303/Notification/CH/DD(CPU)/DWCD/2010/30305-360.—In supersession of all the notifications issued in this regard and in exercise of powers conferred under the following provisions of the Juvenile Justice (Care & Protection of Children) Act, 2000 (56 of 2000), along with in pursuance of power delegated *vide* notification No. F. 61(2)/DO-I/DSW/2001/2832-2891 dated 26-3-2003 U/s 66 of the aforesaid Act, I, Director, Women & Child Development, Govt. of National Capital Territory of Delhi, hereby notify the following Child Care Institutions for Children in need of care and protection and Juvenile in conflict with law.

S. No.	Name of the Institution & Address	Age Group	Capacity	Under Section
1.	Observation Home for Boy -I, Prayas Behind Ambedkar Stadium Delhi Gate, New Delhi.	Boys upto the age of 18 years.	50	8(1)
2.	Adharshila Observation Home for Boys -II, Sewa Kutir Complex, Kingsway Camp, Delhi.	Boys upto the age of 18 years.	100	8(1)
3.	Annexe- Adharshila Observation Home for Boys -II, 1, Magzine Road, Delhi.	age group 16-18 yrs.	10	8(1)
4.	Observation Home for Girls, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi.	Girls upto the age of 18 yrs.	50	8(1)
5.	Special Home, 1, Magzine Road, Delhi.	Boys upto the age of 18 yrs.	20	9(1)
6.	Place of Safety, 1, Magzine Road, Delhi.	Boys upto the age of 18 yrs.	20	12(3)
7.	Phulwari Children Home for Boys-I, Alipur, Delhi.	age group of Boys is 12-18 yrs.	200	34(1)
8.	Ashiana Children Home for Boys-II, Alipur, Delhi.	age group of Boys is 06-12 yrs.	100	34(1)
9.	Ujjawal Children Home for Boys-I, Lajpat Nagar, New Delhi.	age group of Boys is 06-12 yrs.	100	34(1)
10.	Uday Children Home for Boys-II, Lajpat Nagar, New Delhi.	age group of Boys is 12-18 yrs.	100	34(1)
11.	Anupama Children Home for Girls-I, Jail Road, New Delhi.	age group of Girls is 12-18 yrs.	150	34(1)
12.	Anukriti Children Home for Girls-II, Jail Road, New Delhi.	age group of Girls is 0-12 yrs.	100	34(1)
13.	Sharda Greh, Children Home for Girls-III, Nari Niketan, Jail Road, New Delhi.	For the purpose of housing girls upto the age of 18 years who are victim of abuse	25	34(1)
14.	Children Home for Girls-IV, Room No. 5, Short Stay Home for Women, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi.	For the purpose of maternity care to the pregnant girls of CHG-I	15	34(1)
15.	Sukhanchal School and Home for Mentally Retarded (Girls), Asha Kiran Complex, Awanika, Delhi.	Mentally Challenged. Children of all categories with age group 06-18 yrs.	75	34(1)

16.	Pragati Institution for Severely and Profoundly Mentally Retarded (Children & Adult), Asha Kiran Complex, Awantika, Delhi.	Severely and Profoundly Mentally Challenged girls of age group 06-18	200	34(1)
17.	Vikasini Home for Mentally Retarded Children, Asha Kiran Complex, Awantika, Delhi.	Mentally Challenged girls, mild and moderate category with age group 06-18 yrs.	100	34(1)
18.	Village Cottage Home-I, (for Boys & Girls), Kasturba Niketan Complex, Lajpat Nagar, New Delhi.	The children belong to the age group of 0-12 yrs.	40	34(1)
19.	Village Cottage Home-II, (for Boys & Girls), PWD Barracks, B-Block, Kalkaji, New Delhi.	The children belong to the age group of 0-12 yrs.	40	34(1)
20.	Village Cottage Home-III, (for Boys & Girls), Kasturba Niketan Complex, Lajpat Nagar, New Delhi.	The children belong to the age group of 0-12 yrs.	40	34(1)
21.	Balika Sadan-I, Home for Healthy Children (Male & Female) of Leprosy Affected Person, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi.	age group 06-12 yrs.	100	34(1)
22.	Balika Sadan-II, Home for Healthy Female Children of Leprosy Patients, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi	age group 12-18 yrs.	50	34(1)
23.	Bal Sadan-I, Home for Healthy (Male) Children of Leprosy Patients Timarpur, Delhi.	age group 12-18 yrs.	60	34(1)
24.	Bal Sadan-II, Home for Healthy (Male) Children of Leprosy Patients, Timarpur, Delhi.	age group 06-12 yrs.	50	34(1)
25.	Sanskar Ashram for Boys-I, Dilshad Garden, Opp. G.T.B. Hospital, Delhi.	age group 06-12 yrs.	50	34(1)
26.	Sanskar Ashram for Boys-II, Dilshad Garden, Opp. G.T.B. Hospital, Delhi.	Age group 06-18 yrs.	50	34(1)
27.	Sanskar Ashram for Girls, Dilshad Garden, Opp. G.T.B. Hospital, Delhi.	age group 06-18 yrs.	100	34(1)

The Institutions at Sr. No. 21 to 24 will also continue to house deserving and healthy children of leprosy patient and the Institution at Sr. No. 25 to 27 will also continue to house deserving children belonging to denotified tribes. The Institutions at serial no 15 to 17 are housing children with special needs/ mentally challenged and are managed by Department of Social Welfare, Government of National Capital Territory of Delhi.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,
RAJIV KALE, Director

विधि न्याय एवं विधायी कार्य विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 12 जनवरी, 2012

सं. फा. 6/17/2008-न्याय/सप्त लॉ/47-52.—अद्यतन यथा संशोधित दिल्ली न्यायिक सेवा नियमावली, 1970 के नियम 18 के उपबंधों के अनुसरण में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के परामर्श से श्री तरुण चण्डियोक का दिल्ली न्यायिक सेवा से त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से स्वीकार करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के उपराज्यपाल
के आदेशानुसार तथा उनके नाम पर,
तरुण सहरावत, अतिरिक्त सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS

NOTIFICATION

Delhi, the 12th January, 2012

No. F. 6/17/2008-Judl./Suptlaw/47-52.—In pursuance of the provisions of Rule 18 of the Delhi Judicial Service Rules, 1970 as amended up to date, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, in consultation with the High Court of Delhi, is pleased to accept the resignation of Shri Tarun Chandiok from the Delhi Judicial Services with immediate effect.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of National Capital Territory of Delhi,
TARUN SAHRAWAT, Addl. Secy.